दक्ष®

Target Exam.
2024-25

RSSB

A Complete Guide for

पटवार

भर्ती परीक्षा

VOLUME-1

सामान्य विज्ञान

भारत का इतिहास, राजनीति और भूगोल

राजस्थान का भूगोल, इतिहास, संस्कृति और राजनीति

- **23 अक्टूबर 2021 (First Shift) का प्रश्न-पत्र सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या सहित**
- **राजस्थान में हुई पटवार की विगत प्रतियोगी परीक्षाओं के पाँच प्रश्न-पत्रों का व्याख्या सहित अध्यायवार समावेश**
- **पाठ्यक्रम में शामिल प्रत्येक बिन्दु पर आधारित प्रश्नों का महत्त्व के अनुसार समावेश**

Buy Online at :
WWW.DAKSHBOOKS.COM

Daksh Books

दक्ष®

23 अक्टूबर 2021 का प्रश्न-पत्र
सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या सहित
SHIFT-I

A Complete Guide for

RSSB पटवार

VOLUME-1

सीधी भर्ती परीक्षा

Patwar में इन पुस्तकों का अध्ययन करें और सफलता सुनिश्चित करें।

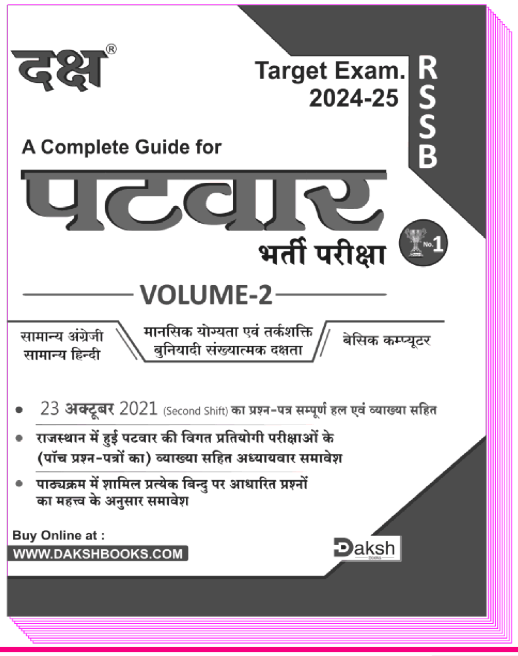

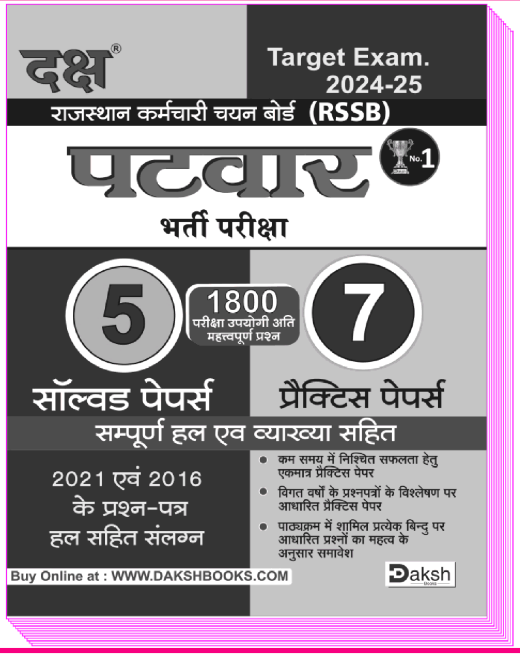

लेखकगण

पवन शर्मा | रामजी लाल यादव

दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

WWW.DAKSHBOOKS.COM

प्रकाशक :

परितोष वर्धन जैन

कॉलेज बुक सेन्टर

- A-19, सेठी कॉलोनी, जयपुर-302 004

© **सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन**

सादर समर्पण

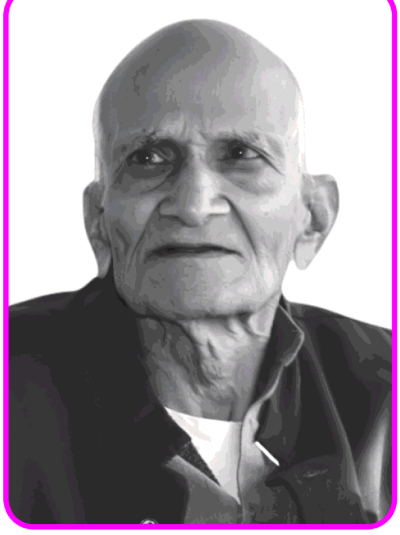

स्व. बनवारी स्वरूप जैन 'बाऊजी'
लेखक एवं प्रकाशक, जयपुर

लेजर टाईपसैटिंग :

पूजा एण्टरप्राईजेज़
जयपुर

मुद्रक :

के.डी. प्रिन्टर्स
जयपुर।

Code No.: D-774

- *प्रकाशक की अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी प्रणाली के सहारे पुन:उत्पत्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके (इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फॉटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, डिजिटल, वेब) के माध्यम से अथवा इस पुस्तक का नाम, टाईटल, चित्र, रेखाचित्र, नक्शे, डिजाईन, कवर डिजाईन, सैटिंग, शिक्षण-सामग्री, विषय-वस्तु, पूर्ण या आंशिक रूप से किसी भी भाषा में हूबहू या तोड़-मरोड़ कर या अदल-बदल कर प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है। इस पुस्तक के प्रतिलिप्याधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं।*
- *पुस्तक का कम्पोजिंग कार्य कम्प्यूटर द्वारा कराया गया है। पुस्तक के लेखन व प्रकाशन कार्य में लेखक, प्रूफ रीडर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरतने के बावजूद भी अधूरी या पुरानी जानकारी का होना/कुछ ग़लतियों/कमियों का रह जाना मानवीय भूलवंश सम्भव है, जिसके लिए पुस्तक प्रकाशन से जुड़े मुद्रक, लेखक एवं प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।*
- *सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जयपुर (राज.) होगा।*

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित

पटवार सीधी भर्ती परीक्षा

परीक्षा की स्कीम एवं विस्तृत पाठ्यक्रम

Scheme of Examination: The examination shall include one paper of 3 hours duration covering the following subjects:-

Subject	Approx Weightage	Number of Questions	Total Marks
General Science; History, Polity and Geography of India, General Knowledge, Current affairs	25	38	76
Geography, History, Culture, and Polity of Rajasthan	20	30	60
General English & Hindi	15	22	44
Mental ability and Reasoning, Basic Numerical efficiency	30	45	90
Basic Computer	10	15	30
Total	**100**	**150**	**300**

Note:

1. The marks obtained by a candidate in examination will be counted for determining their order of merit.
2. The examination will contain multiple choice, objective type questions. There shall be negative marking. 1/3 mark shall be deducted for each wrong answer.

Syllabus

1. General Science; History, Polity and Geography of India, General Knowledge, Current affairs

- विज्ञान के सामान्य आधारभूत तत्व एवं दैनिक विज्ञान, मानव शरीर, आहार एवं पोषण, स्वास्थ्य देखभाल
- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ एवं महत्वपूर्ण ऐतिहासिक (18वीं शताब्दी के मध्य से वर्तमान तक) घटनाएँ
- भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली, संवैधानिक विकास
- भारत की भौगोलिक विशेषताएँ, पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय परिवर्तन एवं इनके प्रभाव
- समसामयिक राष्ट्रीय घटनाएँ

2. Geography, History, Culture and Polity of Rajasthan

- राजस्थान के इतिहास की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ
- राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था : राज्यपाल, राज्य विधान सभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोक सेवा आयोग, जिला प्रशासन, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, लोकायुक्त, राज्य सूचना आयोग, लोक नीति
- सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे।
- स्वतन्त्रता आन्दोलन, जन-जागरण एवं राजनीतिक एकीकरण।
- लोक कलाएँ, चित्रकलाएँ और हस्तशिल्प एवं स्थापत्य।
- मेले, त्योहार, लोकसंगीत एवं लोकनृत्य।
- राजस्थानी संस्कृति एवं विरासत, साहित्य।

- राजस्थान के धार्मिक आन्दोलन, सन्त एवं लोकदेवता।
- महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल।
- राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व।

3. General English & Hindi

(i) सामान्य हिन्दी:

- दिये गये शब्दों की संधि एवं शब्दों का संधि-विच्छेद।
- उपसर्ग एवं प्रत्यय-इनके संयोग से शब्द-संरचना तथा शब्दों से उपसर्ग एवं प्रत्यय को पृथक करना, इनकी पहचान।
- समस्त (सामासिक) पद की रचना करना, समस्त (सामासिक) पद का विग्रह करना।
- शब्द युग्मों का अर्थ भेद।
- पर्यायवाची शब्द और विलोम शब्द।
- शब्द शुद्धि-दिये गये अशुद्ध शब्दों को शुद्ध लिखना।
- वाक्य शुद्धि-वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को छोड़कर वाक्य संबंधी अन्य व्याकरणीय अशुद्धियों का शुद्धीकरण।
- वाक्यांश के लिये एक उपयुक्त शब्द।
- पारिभाषिक शब्दावली-प्रशासन से सम्बन्धित अंग्रेजी शब्दों के समकक्ष हिन्दी शब्द।
- मुहावरे एवं लोकोक्ति।

(ii) General English

- Comprehension of unseen passage.
- Correction of Common errors; Correct usage.
- Synonym / antonym.
- Phrases and Idioms

4. Mental Ability and Reasoning, Basic Numerical Efficiency

- Making Series/Analogy.
- Figure Matrix Questions, Classification.
- Alphabet Test.
- Passage and Conclusions.
- Blood Relations.
- Coding-decoding
- Direction Sense Test.
- Sitting Arrangement.
- Input-Output.
- Number Ranking and Time Square.
- Making Judgements.
- Logical arrangement of words.
- Inserting the missing Character/number.
- Mathematical Operations, Average, Ratio.
- Area and Volume.
- Percent.
- Simple and Compound Interest.
- Unitary Method.
- Profit & Loss.

5. Basic Computer

- Characteristics of Computers
- Computer Organization Including RAM, ROM, File System, Input Devices, Computer Software – Relationship between Hardware & Software.
- Operating System
- MS-Office (Exposure of word, Excel/Spread Sheet, Power Point)

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

❖ पटवारी भर्ती परीक्षा • सॉल्वड पेपर-104-A [23-10-2021]..... P-1–P-16

Volume-1

सामान्य विज्ञान [General Science] 1–112

1 भौतिक एवं रासायनिक अभिक्रिया
[Physical and Chemical Reaction] 1
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 5

2 धातु एवं अधातु
[Metals and Non-Metals] 7
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 17

3 अम्ल व क्षार
[Acid and Base] 19
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 24

4 कार्बनिक यौगिक
[Carbonic Compounds] 26
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 36

5 वैद्युत
[Electricity] 38
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 46

6 चुम्बकत्व
[Magnetism] 48
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 51

7 प्रकाश
[Light] 53
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 61

8 मानव शरीर
[Human Body] 63
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 78

9 रक्त
[Blood] 81
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 84

10 पोषण
[Nutrients] 86

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 89

11 मानव स्वास्थ्य
[Human Health] 90
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 97

12 पादप व जंतुओं का आर्थिक महत्त्व
[Economic Importance of Plant and Animals] 99
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 105

13 पारिस्थितिकी तंत्र
[Ecosystem] 107
❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 111

भारत का इतिहास, राजनीति और भूगोल
[History, Polity and Geography of India] 113–240

14 भारत का इतिहास
[History of India] 113
❖ प्राचीन भारत का इतिहास 113
❖ प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत 113
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 114
❖ प्रागैतिहासिक काल एवं सिंधु नदी घाटी सभ्यता 115
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 116
❖ वैदिक सभ्यता 116
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 117
❖ हाजनपदकाल एवं मगध का विकास 117
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 118
❖ भारत में धार्मिक आन्दोलन 119
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 121
❖ मौर्य काल 121
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 123
❖ मौर्योत्तर काल 123
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 124
❖ संगम युग 125
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 125
❖ गुप्तकाल 126
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 127
❖ गुप्तोत्तर काल 127
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 128

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

- दक्षिण भारत के मुख्य राजवंश 128
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 130
- सीमावर्ती राजवंशों का उदय 130
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 131
- राजपूत राजवंशों का उदय 131
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 132
- मध्यकालीन भारत का इतिहास 133
- अरब आक्रमण 133
- सल्तनतकाल 133
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 136
- स्वतंत्र प्रान्तीय राज्य 137
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 138
- सूफी एवं भक्ति आन्दोलन 139
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 140
- मुगल काल 141
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 145
- शिवाजी एवं मराठा शक्ति का विकास 146
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 147
- आधुनिक भारत का इतिहास 148
- उत्तर मुगलकाल 148
- यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों का भारत आगमन 148
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 149
- अंग्रेज तथा विभिन्न भारतीय राज्य 149
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 151
- ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया का प्रशासन 151
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 155
- सामाजिक और धार्मिक पुनर्जागरण आन्दोलन 156
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 157
- 1857 की क्रान्ति 158
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 160
- भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन 160
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 163
- भारत के विविध ऐतिहासिक तथ्य 165
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 170

15 भारत का राजनीति [Polity of India] 171

- भारत का संवैधानिक विकास 171
- पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 175

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
❖	संविधान सभा	177
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	179
❖	भारतीय संविधान की उद्देशिका	181
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	182
❖	मौलिक अधिकार	182
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	183
❖	राज्य के नीति निर्देशक तत्व	184
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	184
❖	मौलिक कर्त्तव्य	185
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	185
❖	संघीय कार्यपालिका	185
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	188
❖	संघीय व्यवस्थापिका	189
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	191
❖	न्यायपालिका	192
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	192
❖	राज्य की कार्यपालिका	193
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	195
❖	पंचायतीराज	195
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	195
❖	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक डिअर्न्है	196
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	196
❖	भारत का महान्यायवादी	197
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	197
❖	संविधान संशोधन की प्रक्रिया	197
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	200
❖	भारत के प्रमुख आयोग	201
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	202
16	भारत का भूगोल [Geography of India]	204
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	205
❖	भारत का भौतिक स्वरूप	206
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	207
❖	भारत का अपवाह तंत्र	208
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	211
❖	भारत की जलवायु	212
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	213
❖	भारत में कृषि	214

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 215
❖ भारत में खनिज एवं उद्योग संसाधन 216
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 220
❖ भारत में ऊर्जा संसाधन 222
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 223
❖ भारत में प्राकृतिक वनस्पति 224
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 225
❖ परिवहन के साधन 226
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 228
❖ भारत की जनगणना-2011 228
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 229
❖ भारत से सम्बन्धित विविध तथ्य 230
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 232
❖ पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय परिवर्तन एवं इनके प्रभाव 233
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 240

राजस्थान का भूगोल, इतिहास, संस्कृति और राजनीति
[Geography, History, Culture & Polity of Rajasthan] 1-224

1 राजस्थान का भूगोल 1

❖ राज्य के नवीन जिले एवं संभागीय व्यवस्था 1
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 9
❖ 07 अगस्त, 2023 को गठित नये संभाग 9
❖ राजस्थान का सामान्य परिचय 10
❖ राजस्थान के नगरों के प्राचीन एवं वर्तमान नाम 11
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 13
❖ राजस्थान की अवस्थिति एवं विस्तार 14
❖ राजस्थान का जिलेवार विस्तार 14
❖ राजस्थान की सीमाएँ 15
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 16
❖ राजस्थान के भौतिक विभाग 16
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 19
❖ राजस्थान की जलवायु 21
❖ राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले तत्त्व 21
❖ राजस्थान की जलवायु की विशेषताएँ 22
❖ कोपेन के अनुसार राजस्थान की जलवायु का वर्गीकरण 23
❖ ट्रिवार्था के अनुसार राजस्थान की जलवायु का वर्गीकरण 23
❖ थार्नवेट के अनुसार राजस्थान की जलवायु का वर्गीकरण 23

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 24
❖ मृदा 24
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 26
❖ राजस्थान का अपवाह तंत्र 27
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 31
❖ सिंचाई परियोजनाएँ 32
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 35
❖ राजस्थान में कृषि 35
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 39
❖ पशु सम्पदा 40
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 44
❖ वनस्पति 45
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 48
❖ वन्यजीव एवं संरक्षण 48
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 52
❖ जनसंख्या : 2011 53
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 55
❖ खनिज संसाधन 56
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 59
❖ उद्योग 60
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 65
❖ ऊर्जा संसाधन 66
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 68
❖ परिवहन 69
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 74

2 राजस्थान के इतिहास की महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ 75

❖ राजस्थान के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत 75
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 79
❖ राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ एवं पुरास्थल 80
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 82
❖ राजस्थान के प्रमुख राजवंश 82
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 92
❖ राजवंशों की प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था, सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम 95
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 100

3 राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था 101

राज्यपाल, राज्य विधानसभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोकसेवा आयोग, जिला प्रशासन, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, लोकायुक्त, राज्य सूचना आयोग, लोक नीति

❖ राज्यपाल 101

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
❖	वीटो पॉवर	102
❖	राजस्थान के राज्यपाल एवं उनका कार्यकाल	102
❖	राजस्थान में राष्ट्रपति शासन	104
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	104
❖	मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	106
❖	राज्य मंत्रिपरिषद (State Council of Ministers)	106
❖	मुख्यमंत्री (Chief Minister)	106
❖	मुख्यमंत्री के कार्य व शक्तियाँ	107
❖	राजस्थान के मुख्यमंत्री	107
❖	राजस्थान के उपमुख्यमंत्री	108
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	108
❖	राज्य विधानसभा	110
❖	विधानसभा (ड्शसळीश्ररींळींश ऑीशालश्र)	110
❖	राजस्थान विधानसभा का कार्यकाल; एक संक्षिप्त विवरण (1952-2023)	112
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	112
❖	उच्च न्यायालय	113
❖	राजस्थान उच्च न्यायालय	113
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	114
❖	राजस्थान लोक सेवा आयोग	115
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	115
❖	जिला प्रशासन	116
❖	उपखण्ड एवं तहसील प्रशासन	118
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	119
❖	पंचायतीराज	120
❖	पंचायती राज से संबंधित महत्त्वपूर्ण समितियाँ	120
❖	73वाँ संविधान संशोधन-1992 एवं पंचायती राज	121
❖	74वाँ संविधान संशोधन-1992 एवं नगरीय स्वशासन	123
❖	राजस्थान में नगरीय स्वशासन	124
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	126
❖	राज्य मानवाधिकार आयोग	127
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	128
❖	राज्य निर्वाचन आयोग	128
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	129
❖	लोकायुक्त	130
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	130
❖	राज्य सूचना आयोग	131
❖	पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	132
❖	लोक नीति	132

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 133

4 सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे 134

❖ रीति रिवाज 139
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 136
❖ वेशभूषा/आभूषण 137
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 138
❖ जनजातियाँ एवं उनकी संस्कृति 139
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 141

5 स्वतंत्रता आंदोलन, जन-जागरण एवं राजनीतिक एकीकरण 142

❖ 1857 की क्रांति 142
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 143
❖ किसान आंदोलन/जनजाति आंदोलन 144
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 146
❖ राजनीतिक जनजागरण एवं प्रजामण्डल आंदोलन 147
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 152
❖ राजस्थान का एकीकरण 153
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 155

6 लोक कलाएँ, चित्रकलाएँ और हस्तशिल्प एवं स्थापत्य 156

❖ चित्रकला 156
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 159
❖ हस्तशिल्प 160
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 163
❖ स्थापत्य कला 164
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 173

7 मेले, त्योहार, लोक संगीत एवं लोक नृत्य 176

❖ राजस्थान के प्रमुख मेले 176
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 177
❖ त्योहार 178
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 180
❖ लोक संगीत 181
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 184
❖ राजस्थान के लोकवाद्य 185
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 187
❖ लोक नृत्य एवं नाट्य 187
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 190
❖ राजस्थान के लोक नाट्य 190
❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 192

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

8 राजस्थानी संस्कृति एवं विरासत, साहित्य 193

- ❖ राजस्थानी भाषाएँ एवं बोलियाँ 193
- ❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 195
- ❖ राजस्थानी साहित्य 196
- ❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 201

9 राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, सन्त एवं लोकदेवता 203

- ❖ लोक संत 203
- ❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 206
- ❖ लोकदेवता 207
- ❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 210
- ❖ लोक देवियाँ 210
- ❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 214

10 महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल 215

- ❖ राजस्थान में पर्यटन का विकास एवं महत्त्वपूर्ण संस्थाएँ 215
- ❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 219

11 राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व 221

- ❖ पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 224

Patwar 2024 Edition

PATWAR CLEAR करना हो तो इन पुस्तकों का अध्ययन करें और सफलता सुनिश्चित करें।

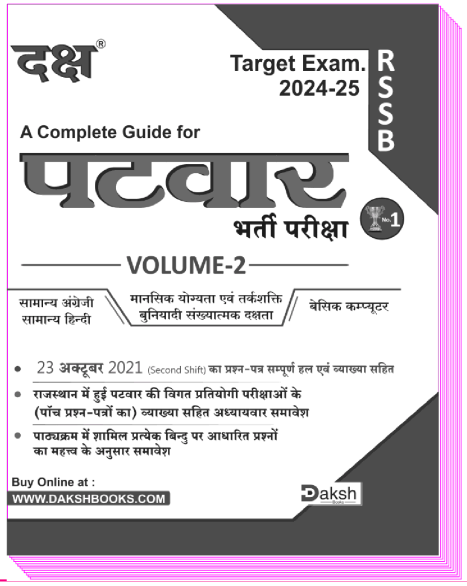

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

Volume-2

सामान्य अंग्रेजी [General English] 1–48

1 Comprehension (Unseen Passage)
[अपठित गद्यांश] 1
2 Correction of Common Errors; Correct usage
[सामान्य अशुद्धियाँ] 9
3 Synonyms 20
[समानार्थक शब्द] 20
4 Antonyms 27
[प्रतिलोम (विपरीतार्थक) शब्द] 27
5 Phrases and Idioms 37
[मुहावरे एवं वाक्यांश] 37

सामान्य हिन्दी [General Hindi] 1–128

1 सन्धि व संधि विच्छेद 1
2 उपसर्ग 21
3 प्रत्यय 29
4 समास 37
5 शब्द युग्म 49
6 पर्यायवाची 54
7 विलोम शब्द 61
8 शब्द शुद्धि 68
9 वाक्य शुद्धि 76
10 वाक्यांश के लिये एक उपयुक्त शब्द 91
11 पारिभाषिक शब्दावली 100
12 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 112

मानसिक योग्यता एवं तर्कशक्ति [Mental Ability and Reasoning] 1–128

1 सादृश्यता
[Analogy] 1

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
2	श्रृंखला/श्रेणीक्रम [Series]	13
3	आकृति मैट्रिक्स [Figure Matrix]	21
4	वर्गीकरण (असमानता) [Classification]	25
5	वर्णमाला परीक्षण [Alphabet Test]	38
6	परिच्छेद एवं निष्कर्ष [Passage and Conclusion]	43
7	रक्त सम्बन्ध [Blood Relation]	48
8	कोडिंग एवं डिकोडिंग [Coding and Decoding]	60
9	दिशा बोध परीक्षण [Direction Sense Test]	73
10	बैठक व्यवस्थीकरण [Sitting Arrangement]	85
11	इनपुट-आउटपुट [Input Output]	97
12	संख्या रैंकिंग एवं समय-अनुक्रम [Number Ranking and Time Square]	106
13	न्याय निगमन [Judgement]	109
14	शब्दों की तार्किक व्यवस्था [Logical Arrangement of Words]	114
15	लुप्त अक्षर एवं संख्या [Missing Character and Number]	120

बुनियादी संख्यात्मक दक्षता [Basic Numerical Efficiency] 1-96

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
1	गणितीय संक्रियाएँ [Mathematical Operations]	1

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

2 औसत
[Average] 8

3 अनुपात एवं समानुपात
[Ratio and Proportion] 17

4 ठोस आकृतियों का पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन
[Surface Area and Volume of Solids] 27

5 प्रतिशत
[Percentage] 39

6 साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज
[Simple and Compound Interest] 51

7 ऐकिक नियम
[Unitary Method] 66

8 लाभ एवं हानि
[Profit and Loss] 74

9 समतलीय आकृतियों का क्षेत्रफल एवं परिमाप
[Area and Perimeter of Plane Figures] 84

बेसिक कम्प्यूटर [Basic Computer] 1-112

1 कम्प्यूटर : परिचय, विकास एवं कार्यप्रणाली
[Computer : Introduction, Development & Working] 1

2 इनपुट एवं आउटपुट डिवाइसेज
[Input and Output Devices] 19

3 हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर (ऑपरेटिंग सिस्टम)
[Hardware and Software (Operating System)] 37

4 मेमोरी
[Memory] 56

5 माइक्रोसॉफ्ट वर्ड
[Microsoft Word] 68

6 माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल
[Microsoft Excel] 86

7 माइक्रोसॉफ्ट पॉवर पाइन्ट
[Microsoft Power Point] 105

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित

पटवारी भर्ती परीक्षा

सॉल्वड पेपर-104-A

2021

Exam Date : 23-10-2021 • Shift-I

कुल प्रश्न : 150 **समय : 180 मिनट** **कुल अंक : 300**

1. 24 घंटों के दौरान ऐसा भी एक समय होता है जब पौधे ना तो O_2 छोड़ते हैं ना ही CO_2 यह समय होता है—

(A) मध्याह्न (B) इनमें से कोई नहीं
(C) दिवस प्रकाश (D) सांध्य प्रकाश **[D]**

व्याख्या—गोधूलि (सांध्य प्रकाश) वह समय है जब श्वसन या प्रकाश संश्लेषण दोनों में से कोई भी प्रक्रिया नहीं हो रही होती है। गोधूलि (सांध्य प्रकाश) के समय पर्याप्त सूर्य का प्रकाश नहीं होता है, इसलिए प्रकाश संश्लेषण धीमा हो सकता है या बंद भी हो सकता है।

2. जब चंद्रमा क्षितिज के समीप होता है, तो.....के कारण बड़ा प्रतीत होता है—

(A) प्रकाश के प्रकीर्णन (B) पूर्ण आंतरिक परावर्तन
(C) विवर्तन (D) वायुमंडलीय अपवर्तन **[D]**

व्याख्या—जब चंद्रमा क्षितिज के समीप होता है, तो वायुमंडलीय अपवर्तन के कारण यह बड़ा दिखाई देता है। वायुमंडलीय अपवर्तन एक सीधी रेखा से प्रकाश या किसी अन्य विद्युत चुम्बकीय तरंग का विचलन है क्योंकि यह ऊंचाई के कार्य के रूप में वायु घनत्व में भिन्नता के कारण वायुमंडल से गुजरता है।

3. एक स्वस्थ वयस्क पुरुष में हीमोग्लोबिन की सामान्य मात्रा (लगभग) कितनी होती है?

(A) 6–8 ग्रा./ 100 मिली. रक्त
(B) 13–18 ग्रा./ 100 मिली. रक्त
(C) 19–22 ग्रा./ 100 मिली. रक्त
(D) 22–28 ग्रा./ 100 मिली. रक्त **[B]**

व्याख्या—'हीमोग्लोबिन' एक प्रोटीन है, जो कि मानव रक्त में पाया जाता है तथा इसके रासायनिक संयोजन में 'ग्लोबिन' (Globin) नामक 'प्रोटीन' हीम नामक लाल रंग के पदार्थ से जुड़ी रहती है। रुधिर का लाल रंग हीम (haeme) के कारण ही होता है। हीम की वलय (Ring) में केन्द्रीय भाग लौह (Iron) का होता है। एक सामान्य व्यक्ति में हीमोग्लोबिन की औसतन मात्रा **13-18 ग्राम/100 मिलीलीटर** रुधिर होती है तथा यह शरीर में गैसों के परिवहन का कार्य करता है।

4. निम्न को मिलाइए—

a. एपीकल्चर	1. अँगूर की खेती
b. सिल्विकल्चर	2. मधुमक्खी पालन
c. विटिकल्चर	3. वन-वर्धन

कूट :	a	b	c
(A)	2	1	3
(B)	1	2	3
(C)	3	2	1
(D)	2	3	1 **[D]**

व्याख्या—एपीकल्चर (Apiculture)—व्यापारिक स्तर पर शहद उत्पादन तथा फसलों में परागण हेतु मधुमक्खी पालन।
सिल्वीकल्चर (Silviculture)—सिल्वीकल्चर वनों एवं वन्य संसाधनों के विकास तथा गुणवत्तावर्धन का विज्ञान।
विटिकल्चर (Viticulture)—अंगूरबेलों के पालन-पोषण और अंगूर-उत्पादन के अध्ययन।
हॉर्टीकल्चर (Horticulture)—पुष्प एवं फल देने वाले पौधों का अध्ययन।
सेरीकल्चर (Sericulture)—कच्चे रेशम के उत्पादन हेतु रेशम कीट का पालन।
फ्लोरीकल्चर (Floriculture)—सजावट के लिए काम आने वाले पुष्पों का अध्ययन।

5. एक मधुमेह रोगी में.....द्वारा शर्करा की जाँच की जा सकती है—

(A) डेनिज टेस्ट (B) बेनेडिक्ट टेस्ट
(C) बारफोर्ड टेस्ट (D) एलिसा टेस्ट **[B]**

व्याख्या—**बेनेडिक्ट टेस्ट**—इसका प्रयोग **कार्बोहाइड्रेट** के परीक्षण के लिए किया जाता है। बेनेडिक्ट के अभिकर्मक का उपयोग मूत्र में **ग्लूकोज की उपस्थिति** के परीक्षण के लिए किया जा सकता है। इस विधि से मधुमेह रोगी में शुगर की जांच की जा सकती है।
डेनिज टेस्ट—यह **टार्टरिक और साइट्रिक एसिड** के विभेदन के लिए परीक्षण है।
बारफोर्ड टेस्ट—यह एक रासायनिक परीक्षण है जिसका उपयोग **मोनोसेकेराइड की उपस्थिति** का पता लगाने के लिए किया जाता है।
एलिसा टेस्ट—यह रक्त में **एंटीबॉडी का पता** लगाने के लिए आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला प्रयोगशाला परीक्षण है। इसका उपयोग एचआईवी के परीक्षण में भी किया जाता है।

6. फल पक्वन.....के द्वारा उद्दीपित की जाती है—

(A) साइटो-काइनिन (B) ऑक्सिन
(C) जिबरेलिन (D) एथिलीन **[D]**

व्याख्या—**ऑक्सिन (Auxin)**—यह कोशिका दीर्घन द्वारा तने की कोशिकाओं की वृद्धि में सहायक होते हैं। इसके कार्य जड़ की वृद्धि को नियंत्रित रखना, बीजरहित फल के उत्पादन में सहायक, पत्तियों के झड़ने, फलों के गिरने तथा गेहूँ, मक्का, आदि में खरपतवार का नाश करने में सहायक है।
जिबरेलिन्स (Gibberellins)—ये हॉर्मोन तने की लंबाई में वृद्धि करते हैं। इसकी खोज **कुरोसावा** ने वर्ष 1926 में की। ये एक वृद्धि नियंत्रण पदार्थ है, जिसे कवक के रस से पृथक किया गया है। इसे जिबरेलिन-A भी कहा जाता है। इसके कार्य बीजरहित फलों के उत्पादन में सहायक, हार्मोन बीजों के अंकुरण में भाग लेना एवं तने की लम्बाई की वृद्धि को बढ़ाना है।
साइटोकाइनिन (Cytokiniun)—यह कोशिका विभाजन हेतु एक

सामान्य विज्ञान [GENERAL SCIENCE]

1 भौतिक एवं रासायनिक अभिक्रिया [Physical and Chemical Reaction]

- एक पदार्थ के दूसरे पदार्थ में बदलने पर या एक अवस्था से दूसरी **अवस्था में परिवर्तन** के कारण ही नए पदार्थ का निर्माण होता है।
- पदार्थ में होने वाले परिवर्तनों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है—
  (1) भौतिक परिवर्तन (2) रासायनिक परिवर्तन

भौतिक परिवर्तन

- पदार्थों में होने वाला वह परिवर्तन जिसमें उनकी भौतिक अवस्था में परिवर्तन होता है किन्तु पदार्थों के रासायनिक संघटन एवं रासायनिक गुणों में कोई परिवर्तन नहीं होता है, भौतिक परिवर्तन कहलाता है।
  उदाहरण—सोने का पिघलना, काँच का टूटना, शक्कर का पानी में घुलना, लोहे का चुम्बक में बदलना, संघनन, आसवन, उर्ध्वपातन आदि।
- भौतिक परिवर्तन में **पदार्थ के भौतिक गुणों** जैसे आयतन, अवस्था, ताप, घनत्व, रंग आदि में परिवर्तन होता है।
- पदार्थ के रासायनिक संघटन तथा रासायनिक गुणों में कोई परिवर्तन नहीं होता है।
- यह परिवर्तन **उत्क्रमणीय** होता है।
- यह परिवर्तन **अस्थायी** होता है।

रासायनिक परिवर्तन

- पदार्थों में होने वाला वह परिवर्तन जिसमें नया पदार्थ प्राप्त होता है जो रासायनिक संघटन तथा रासायनिक गुणों में मूल पदार्थ से पूर्णतः भिन्न होता है, **रासायनिक परिवर्तन** कहलाता है।
  उदाहरण—कोयले का जलना, लोहे पर जंग लगना, दूध से दही बनना, अवक्षेपण, दहन, किण्वन आदि।
- रासायनिक परिवर्तन से जो नए पदार्थ बनते हैं वे मूल पदार्थ से रासायनिक गुणों तथा संघटन में भिन्न होते हैं।
- यह परिवर्तन अनुत्क्रमणीय होता है।
- यह परिवर्तन स्थाई होता है।
- इस परिवर्तन में पदार्थों के भौतिक व रासायनिक गुण बदल जाते हैं।

रासायनिक समीकरण

- रासायनिक अभिक्रिया में **पदार्थों को अणुसूत्रों एवं प्रतीकों की सहायता** से प्रदर्शित किया जाता है, उसे रासायनिक समीकरण कहते हैं।
- रासायनिक अभिक्रिया में भाग लेने वाले पदार्थ अभिकारक या क्रियाकारक एवं अभिक्रिया के फलस्वरूप बनने वाले पदार्थ **उत्पाद** कहलाते हैं।
- किसी रासायनिक समीकरण में क्रियाकारक तीर के निशान के बाँयी तरफ तथा उत्पाद दाँयी तरफ लिखे जाते हैं। तीर का चिह्न **अभिक्रिया की दिशा** को दर्शाता है।
- किसी रासायनिक अभिक्रिया में प्रयुक्त **उत्प्रेरक तीर के निशान के ऊपर** लिखा जाता है।
- रासायनिक समीकरण क्रियाकारक व उत्पाद में **अणुओं की संख्या, द्रव्यमान, पदार्थों की भौतिक अवस्था, अक्रमणीयता** एवं **अभिक्रिया** के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ जैसे **ताप, दाब, उत्प्रेरक** आदि की सूचनाएँ प्रदान करती है।
- रासायनिक समीकरण अभिक्रिया की पूर्णता एवं क्रियाकारक व उत्पाद की सान्द्रता के बारे में कोई जानकारी नहीं देता है।
- जब किसी रासायनिक समीकरण के दोनों पक्षों में अभिकारक व उत्पाद के परमाणुओं की संख्या समान होती है तो **संतुलित रासायनिक समीकरण** कहलाती है।
- यदि किसी रासायनिक समीकरण के दोनों पक्षों के तत्वों के परमाणुओं की संख्या असमान हो तो ऐसी समीकरण **असंतुलित रासायनिक समीकरण** या **कंकाली रासायनिक समीकरण** कहलाती है।
- रासायनिक अभिक्रिया के प्रमुख अभिलक्षण निम्न है—
  1. गैस निकलना 2. अवक्षेप बनना
  3. ताप व रंग परिवर्तन 4. अवस्था परिवर्तन

रासायनिक अभिक्रिया

- "किसी पदार्थ में रासायनिक परिवर्तन होने को **रासायनिक अभिक्रिया** कहते हैं।" रासायनिक क्रिया द्वारा जब एक पदार्थ दूसरे पदार्थ में बदलता है तो उसके रासायनिक संघटन एवं रासायनिक गुण मूल पदार्थ से भिन्न होते हैं किन्तु पदार्थों के कुल द्रव्यमान में कोई परिवर्तन नहीं होता है।
- रासायनिक अभिक्रिया को रासायनिक समीकरण से व्यक्त किया जाता है। जैसे मैग्निशियम के रिबन को ऑक्सीजन में जलाने पर मैग्नीशियम ऑक्साइड का श्वेत चूर्ण बनता है।

$$2mg_{(s)} + O_{2(g)} \longrightarrow 2mgo_{(s)}$$

- अभिकारकों के संयोग करने, बंध के बनने व टूटने, अभिक्रिया की प्रकृति एवं वेग के आधार पर रासायनिक अभिक्रियाएँ विभिन्न प्रकार की होती है—

संयोजन अभिक्रिया/योगात्मक अभिक्रिया

- दो या दो से अधिक पदार्थों (तत्व या यौगिक) के संयोग से एक नए पदार्थ का बनना संयोजन या योगशील अभिक्रिया कहलाती है। उदाहरण—

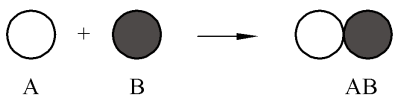

(i) अकार्बनिक संयोजन अभिक्रिया—

$$2Mg + O_2 \rightarrow 2MgO$$
$$NH_3 + HCl \rightarrow NH_4Cl$$

- ये ऊष्मा तथा विद्युत के प्रायः कुचालक होती है परन्तु ग्रेफाइट विद्युत व ऊष्मा का अच्छा चालक होता है।
- इसमें मुक्त इलेक्ट्रॉन नहीं होते हैं। इनके परमाणु की बाह्यतम कक्षा में बहुधा 5, 6 या 7 इलेक्ट्रॉन रहते हैं।
- अधातुओं के ऑक्साइड अम्लीय होते हैं।
- वे पदार्थ जो एक ही तत्व से बने होते हैं, परन्तु उनकी संरचना तथा संघटन अलग-अलग होते हैं, अपररूप कहलाते हैं।

अधातुओं के प्रकार

(i) **ठोस अधातुएँ**—कार्बन, सल्फर, फॉस्फोरस, आयोडीन आदि।
(ii) **द्रव अधातुएँ**—ब्रोमीन
(iii) **गैस अधातुएँ**—हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, क्लोरीन, ओजोन आदि।

अधातुओं के कुछ महत्त्वपूर्ण यौगिक

(1) ओजोन (O_3)—ओजोन ऑक्सीजन का अपर रूप है। इस यौगिक से नवजात ऑक्सीजन प्राप्त होती है। अतः यह तीव्र ऑक्सीकारक है। वायुमण्डल में ओजोन गैस की एक परत होती है।

- वह परत सूर्य की किरणों से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी विकिरणों को रोकती है। इस प्रकार यह परत एक सुरक्षा परत का कार्य करती है। ओजोन गैस का उपयोग कृत्रिम रेशम के निर्माण में, विरंजक के रूप में, रोगाणुनाशक के रूप में, पीने के जल के शुद्धिकरण में, ओजोन का उपयोग कीटाणुनाशक तथा हवा को शुद्ध करने के लिए, पोटेशियम परमैंग्नेट यौगिक को बनाने में किया जाता है।

(2) हाइड्रोजन परॉक्साइड (H_2O_2)—संरचना H–O–O–H हाइड्रोजन परॉक्साइड ऑक्सीकारक तथा अपचायक, दोनों ही गुणों को प्रदर्शित करता है।

- हाइड्रोजन परॉक्साइड के ऑक्सीकारक गुणों का उपयोग पुराने चित्रों को पुनः चमकाने के लिये किया जाता है क्योंकि लेड वायुमण्डल की H_2S से क्रिया कर PbS में परिवर्तन के कारण मटमैला हो जाता है। हाइड्रोजन परॉक्साइड इस लेड सल्फाइड को सफेद लेड सल्फेट में ऑक्सीकृत कर देता है।

$$PbS + 4H_2O_2 \rightarrow PbSO_4 + 4H_2O$$

- हाइड्रोजन परॉक्साइड का तनु विलयन घाव एवं चोट पर रोगाणुनाशी के रूप में किया जाता है।
- इसका उपयोग रेशम, बाल, हाथीदाँत, ऊन आदि के विरंजन में भी किया जाता है।
- यह सौन्दर्य प्रसाधन, दवा आदि के रूप में भी काम में लिया जाता है।

(3) अमोनिया (NH_3)
संरचना—

- अमोनिया का उपयोग मुख्यतः नाइट्रोजन युक्त उर्वरकों (अमोनियम नाइट्रेट, यूरिया, अमोनियम फॉस्फेट तथा अमोनियम सल्फेट) बनाने में किया जाता है।
- अमोनिया का उपयोग नाइट्रिक अम्ल के निर्माण में भी किया जाता है।
- इसे प्रशीतक के रूप में भी उपयोग में लेते हैं, अतः बर्फ की फैक्ट्रियों में भी यह काम में लिया जाता है।
- इसका उपयोग कृत्रिम रेशम बनाने में, विस्फोटक पदार्थ बनाने में, कपड़ों पर चर्बी, तेल, ग्रीस के धब्बे हटाने के लिये किया जाता है।

(4) नाइट्रिक अम्ल/शोरे का तेजाब (HNO_3)—
संरचना—

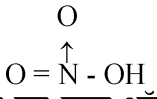

- नाइट्रिक अम्ल एक प्रमुख ऑक्सीकारक व तीव्र अम्ल है। नाइट्रिक अम्ल का उपयोग उर्वरकों के लिये अमोनियम नाइट्रेट बनाने में किया जाता है।
- इसका उपयोग विस्फोटकों एवं आतिशबाजी में उपयोग हेतु अन्य नाइट्रेट बनाने में, रॉकेट, ईंधनों के ऑक्सीकरण में, रंजक, औषधि, कृत्रिम सिल्क आदि के निर्माण में, सोने एवं चाँदी के शुद्धिकरण में, गंधक का अम्ल बनाने में प्रयुक्त किया जाता है।

(5) गंधक का अम्ल (H_2SO_4) सल्फ्यूरिक अम्ल
संरचना—

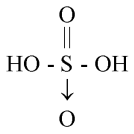

- गंधक के अम्ल का प्रमुख औद्योगिक उपयोग हाइड्रोक्लोरिक अम्ल, नाइट्रिक अम्ल तथा उर्वरक के निर्माण में, पेट्रोल के शुद्धिकरण में, रंजक उद्योग में, धातु कर्म में धातुओं के निष्कर्षण में किया जाता है।
- वस्तुतः सल्फ्यूरिक अम्ल का उपयोग सैकड़ों औद्योगिक यौगिकों के संश्लेषण में किया जाता है। अतः इसे **अम्लों का राजा** भी कहते हैं।

(6) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (HCl)—हाइड्रोक्लोरिक अम्ल को **नमक का तेजाब** भी कहते हैं।

- इसके प्रमुख उपयोग प्रयोगशाला में महत्त्वपूर्ण अभिकर्मक के रूप में, लौह एवं स्टील उद्योग में, वस्त्र उद्योग में, गोंद तथा रंजक बनाने में किया जाता है।

(7) अमोनियम क्लोराइड (NH_4Cl)—इसे सामान्य भाषा में नौसादर भी कहते हैं।

- अमोनियम क्लोराइड से सोल्डरिंग पदार्थ बनाये जाते हैं। इसे बर्तन पर कलई करने में उपयोग में लेते हैं।
- इसका उपयोग विद्युत बैटरी में, कपड़ों को रंगने में, औषधि के रूप में तथा प्रयोगशाला में अभिकर्मक के रूप में किया जाता है।

उपधातु

- ऐसे तत्व जिनमें धातु और अधातु दोनों के गुण विद्यमान होते हैं, उपधातु कहलाते हैं।
- आवर्त सारणी में इन्हें धातु और अधातु तत्वों के **मध्य स्थान** दिया गया है। ये संख्या में **सात** हैं। बोरॉन (B), सिलिकॉन (Si), आर्सेनिक (As), एन्टिमनी (Sb), जर्मेनियम (Ge), टेलुरियम (Te) एवं पोलोनियम (Po)।
- बोरॉन **कॉस्मिक-रे स्पालेशन** द्वारा प्राप्त किया जाता है तथा इसका उपयोग नाभिकीय रिएक्टरों की नियंत्रण छड़ों में, बुलेटप्रुफ जैकेट बनाने में, बहुत सी विद्युतीय युक्तियों में अर्द्धचालक के रूप में किया जाता है।
- बोरेक्स का उपयोग गालक के रूप में, **बोरेक्स मनका परीक्षण** में, जल के मृदुकरण में प्रतिरोधी के रूप में तथा काँच और पॉटरी उद्योग में किया जाता है। सिलिकॉन का उपयोग आयरन और ऐलुमिनियम के मिश्रधातु बनाने में किया जाता है।
- जर्मेनियम और गैलियम आर्सेनाइड अर्द्धचालक के रूप में सोलर सेल, फोटोडायोड, ट्रांजिस्टरों में प्रयोग किए जाते हैं।

14 भारत का इतिहास [History of India]

प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ एवं महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक (18वीं शताब्दी के मध्य से वर्तमान तक) घटनाएँ

प्राचीन भारत का इतिहास

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत

- प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी के मुख्य स्रोत निम्नलिखित हैं—
  - ✧ ऐतिहासिक ग्रन्थ
  - ✧ पुरातात्विक स्रोत
  - ✧ साहित्यिक स्रोत
  - ✧ विदेशी यात्रियों का वर्णन

ऐतिहासिक ग्रन्थ

- भारत का सबसे प्राचीन धर्मग्रंथ/ऐतिहासिक ग्रन्थ वेदों को माना गया है, वेदों के निर्माणकर्ता **महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास** को माना जाता है। हिन्दू धर्म में **चार वेद** माने गये हैं—

1. ऋग्वेद

- ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संग्रह को ऋग्वेद कहा जाता है।
- इसमें 10 मंडल, 1028 सूक्त (वालखिल्य पाठ के 11 सूक्तों सहित) और 10,462 ऋचाएँ हैं।
- ऋग्वेद के तीसरे मंडल में सूर्य देवता सावित्री को समर्पित प्रसिद्ध **गायत्री मंत्र** है। इसके 8 मंडल की हस्तलिखित ऋचाओं को **खिल** कहा जाता है। इसके 9वें मंडल में सोम देवता का वर्णन है।
- चारों वर्णों के समाज की कल्पना भी ऋग्वेद के 10वें मंडल में वर्णित **पुरुष सूक्त** में है, जिसमें चार वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) आदि पुरुष ब्रह्मा के क्रमशः मुख, भुजाओं, जंघाओं और चरणों से उत्पन्न बताये गये हैं।
- वामनावतार के तीन पगों का आख्यान भी ऋग्वेद में मिलता है।
- ऋग्वेद में पिता के लिए 335 (सर्वाधिक), इन्द्र के लिए 250 तथा अग्नि के लिए 200 ऋचाओं की रचना की गयी है।

  नोट—प्राचीन इतिहास के साधन के रूप में वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के बाद शतपथ ब्राह्मण का स्थान है।

2. यजुर्वेद

- सस्वर पाठ के लिए मंत्रों तथा बलि के समय अनुपालन के लिए नियमों का संकलन यजुर्वेद कहलाता है। इसके पाठकर्ता को **अध्वर्यु** कहते हैं।
- यजुर्वेद गद्य और पद्य दोनों रचनाओं में पाया जाता है।
- यजुर्वेद की पाँच शाखाएँ - काठक, कपिष्ठल, मैत्रायणी, तैत्तिरीय, वाजसनेयी (माध्यन्दिन व काण्व)।
- वाजसनेयी संहिता शुक्ल यजुर्वेद से संबंधित है, जबकि अन्य चार कृष्ण यजुर्वेद से संबंधित है।

3. सामवेद

- सामवेद में गाने योग्य ऋचाओं का संकलन पाया जाता है। इसके पाठकर्ता को **उद्रातृ** कहते हैं।
- सामवेद को **भारतीय संगीत का जनक** भी कहा जाता है।
- सामवेद में मुख्यतः सूर्य की स्तुति के मंत्र है।
- सामवेद का प्रथम दृष्टा जैमिनी (वेदव्यास के शिष्य) को माना जाता है।

4. अथर्ववेद

- **अथर्ववेद** अथर्वा ऋषि द्वारा रचित वेद है।
- अथर्ववेद में रोग निवारण, तंत्र-मंत्र, जादू-टोना, श्राप, वशीकरण, आर्शीवाद स्तुति, प्रायश्चित, औषधि, अनुसंधान, विवाह, प्रेम, राजकर्म, मातृभूमि महात्मय आदि अनेक विषयों से संबंध मंत्र तथा सामान्य मनुष्यों के विचारों, विश्वासों व अंधविश्वासों आदि का वर्णन पाया जाता है।

  नोट—सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद तथा नवीन वेद अथर्ववेद माना जाता है।
- वेदों को भली-भाँति समझने के लिए 6 वेदागों की रचना हुई जो निम्न प्रकार से है—**शिक्षा, ज्योतिष, कल्प, व्याकरण, निरुक्त** तथा **छंद** आदि।
- भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। इसके रचयिता **लोहमर्ष** अथवा इनके पुत्र **अग्रश्रवा** माने जाते हैं।
- पुराणों की संख्या 18 है। पुराणों में मत्स्यपुराण सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक मानी जाती है।
- स्मृति ग्रंथों में सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक मनुस्मृति मानी जाती है। यह शुंग काल का मानक ग्रंथ है।

पुरातात्विक स्रोत

- भारतीय पुरातत्वशास्त्र का जनक **'सरल एलेक्जेण्डर कनिंघम'** को माना जाता है।
- 'बोगाज-कोई' (1400 ई.पू.) अभिलेख से वैदिक देवताओं की जानकारी प्राप्त होती है।
- 'भारतवर्ष' के बारे में सर्वप्रथम जानकारी **हाथीगुम्फा** अभिलेख से मिलती है।
- **एरण अभिलेख** से सती-प्रथा का पहला लिखित साक्ष्य प्राप्त हुआ है।
- **मंदसौर अभिलेख** से रेशम बुनकर की श्रेणियों की जानकारी प्राप्त होती है।
- कश्मीरी नवपाषाणिक पुरास्थल बुर्जहोम से गर्तावास का साक्ष्य प्राप्त हुआ है।
- पुरातात्विक साक्ष्य की जानकारी से सम्बन्धित प्रमुख अभिलेख—
  - ✧ जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख — रुद्रदामन
  - ✧ हाथीगुम्फा अभिलेख — कलिंग राज खारवेल

- ✧ **शिकदार**—परगने का प्रमुख अधिकारी।
- ✧ **आमिल**—ग्राम के कृषकों से प्रत्यक्ष संबंध बनाना एवं लगान निर्धारित करना।

❖ मुगल साम्राज्य में सेना को भी चार भागों में विभक्त किया गया था—
1. पैदल सेना 2. घुड़सवार सेना 3. तोपखाना सेना 4. हाथी सेना।

❖ मुगलकालीन सैन्य व्यवस्था पूर्णतः मनसबदारी प्रथा पर आधारित थी। इसे अकबर ने प्रारम्भ किया था। 10 से 500 तक मनसब प्राप्त करने वाले मनसबदार 500 से 2500 तक प्राप्त करने वाले **उमरा** एवं 2500 से ऊपर तक मनसब प्राप्त करने वाले **अमीर-ए-आजम** कहलाते थे।

❖ जात से व्यक्ति के वेतन एवं प्रतिष्ठा का ज्ञान होता था, सवार पद से घुड़सवार दस्तों की संख्या का ज्ञान होता था। जहाँगीर ने सवार पद में **दो-अस्पा** एवं **सिंह-अस्पा** की व्यवस्था की। सर्वप्रथम यह पद महाबतखाँ को दिया गया।

❖ मुगलकालीन साम्राज्य में लगान वसूलने की व्यवस्थाएँ निम्न प्रकार से है—

(1) गल्ला बख्शी—इसमें फसल का कुछ भाग सरकार द्वारा ले लिया जाता था।

(2) नसक—इसमें खड़ी फसल के आधार पर लगान का अनुमान लगाकर फसल कटने पर उसे ले लिया जाता था। यह व्यवस्था बंगाल में थी।

(3) जब्ती—इसमें बोई गई फसल के आधार पर लगान का निश्चय किया जाता था, जो नकद लिया जाता था।

पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर

1. निम्न वक्तव्यों पर विचार करें—[Patwar (24.10.2021) Shift III]
अकबर ने राजपूतों से सहयोग एवं मित्रता की अपेक्षा की :
1. अफगाह विद्रोह को दबाने के लिए।
2. भारत में मुगल साम्राज्य की नींव को मजबूत करने के लिए।
3. फतेहपुर सीकरी में इबादतखाना के निर्माण के लिए
4. भारत पर आक्रमण करने वाली विदेशी जनजातियों को हराने के लिए।
उपरोक्त में से कौन-से वक्तव्य सही हैं?
(A) 1, 2, 4 (B) 2, 3
(C) केवल 2 (D) इनमें से कोई नहीं **[A]**
व्याख्या—अकबर ने राजपूतों से सहयोग की अपेक्षा निम्न कारणों से की-
- ✧ मुगल साम्राज्य की नींव को मजबूत करने हेतु
- ✧ भारत पर आक्रमण करने वाली विदेशी जनजातियों को हराने हेतु
- ✧ अफगान विद्रोह को दबाने हेतु

2. इन स्मारकों को उनके निर्माण के कालक्रमानुसार निम्न में से कौन-सा क्रम सही है? [Patwar (23.10.2021) Shift II]
i. ताजमहल ii. इण्डिया गेट
iii. फतेहपुरी सीकरी iv. आगरा किला
(A) ii, iv, iii, i (B) iv, iii, i, ii
(C) iii, i, iv, ii (D) ii, i, iv, iii **[B]**
व्याख्या—उपयुक्त स्मारकों का निर्माण के अनुसार सही कालानुक्रम इस प्रकार हैं—

i.	**आगरा किला**	1565
ii.	**फतेहपुरी सीकरी**	1569
iii.	**ताजमहल**	1632
iv.	**इण्डिया गेट**	1931

3. मुगल शासक जिसने 15 वर्ष निर्वासन में बिताए वह था— [Patwar (23.10.2021) Shift II]
(A) बाबर (B) हुमायूँ
(C) अकबर (D) जहाँगीर **[B]**
व्याख्या—नसीरुद्दीन हुमायूं 29 दिसम्बर, 1530 ई. को आगरा में 23 वर्ष की अवस्था में सिंहासन पर बैठा। 27 मई 1540 ई. को बिलग्राम या कन्नौज युद्ध में शेर खाँ से पराजित होने के पश्चात् वह सिंध चला गया। जहाँ उसने 15 वर्षों तक घुमक्कड़ों जैसा निर्वासित जीवन व्यतीत किया।

4. निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार करें :
जहाँगीर के शासनकाल में, कंधार पर इसके कारण पुनः अधिकार नहीं किया जा सका— [Patwar (23.10.2021) Shift I]
1. मुगल सेना की अकुशलता
2. खुर्रम द्वारा उस स्थान पर कूच से इंकार
3. अभियान आयोजित करने में कठिनाईयाँ
4. अफगानिस्तान में प्रचंड ठंड
इनमें से कौन-से वक्तव्य सत्य हैं?
(A) 1, 2 एवं 4 (B) 1, 2 एवं 3
(C) 2, 3 एवं 4 (D) 1, 2, 3 एवं 4 **[C]**
व्याख्या—अकबर का उत्तराधिकारी सलीम हुआ, जो 24 अक्टूबर 1605 को नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाही गाजी की उपाधि धारण कर गद्दी पर बैठा। इसके शासनकाल में 1622 ई. में कंधार मुगलों के हाथ से निकल गया। शाह अब्बास ने इस पर अधिकार कर लिया। जहांगीर द्वारा निम्न कारणों से पुनः इस पर अधिकार नहीं किया जा सका-
- ✧ खुर्रम द्वारा उस स्थान पर कूच से इंकार
- ✧ अभियान आयोजित करने में कठिनाईयाँ
- ✧ अफगानिस्तान में प्रचंड ठंड

5. मुगलों के विरुद्ध हल्दी घाटी का युद्ध किसने लड़ा?
(A) महाराणा प्रताप (B) राणा सांगा
(C) राजा जयसिंह (D) राणा कुम्भा **[A]**

6. अब्दुल हमीद लाहौरी की कृति 'बादशाह नामा' उनके संरक्षक ..... का आधिकारिक इतिहास है—
(A) औरंगजेब (B) शाहजहां (C) हुमायूं (D) जहांगीर **[B]**

7. .... द्वारा फतेहपुर सीकरी को मुगल साम्राज्य की राजधानी के रूप में स्थापित किया गया था?
(A) बाबर (B) अकबर (C) हुमायूं (D) जहांगीर **[B]**

8. मुगलवंश का प्रथम सम्राट कौन था?
(A) जहाँगीर (B) बाबर (C) अकबर (D) हुमायूँ **[B]**

9. 'दीन-ए-इलाही' की शुरुआत किसके शासन में की गई?
(A) बाबर (B) औरंगजेब (C) अकबर (D) हुमायूँ **[C]**

10. ..... भारत की पहली मुस्लिम महिला शासक थी—
(A) नूरजहाँ (B) मिर्जा अल्तुनिया
(C) माहम अंगा (D) रजिया सुल्ताना **[D]**

15 भारत का राजनीति [Polity of India]

भारत संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली, संवैधानिक विकास

भारत का संवैधानिक विकास

- भारतीय संविधान के ऐतिहासिक विकास का काल सन् 1600 ई. से शुरू होता है। **31 दिसम्बर 1600 ई.** को 100 व्यापारियों ने मिलकर ब्रिटेन में **ईस्ट इंडिया कम्पनी** (EIC) की स्थापना की।
- इंग्लैण्ड की महारानी **एलिजाबेथ प्रथम** ने एक **अधिकार पत्र** (चार्टर) द्वारा 15 वर्षों के लिए व्यापार का अधिकार ईस्ट इंडिया कम्पनी को दिया जिसे **1600 ई. का चार्टर** कहा जाता है।
- कम्पनी के भारत में शासन की समस्त शक्ति **गवर्नर और उसकी परिषद** (जिसमें 24 सदस्य थे) को सौंप दी गई। इसे गवर्नर और उसकी परिषद की संज्ञा दी गई।
- ईस्ट इंडिया कम्पनी की ओर से व्यापारिक स्वीकृति के लिए भारत में आने वाला प्रथम अंग्रेजी राजदूत **विलियम हॉकिन्स** (1608 ई.) था, उस समय भारत के सम्राट **जहाँगीर** थे।
- 1615 में इंग्लैण्ड के **राजा जेम्स** का राजदूत **सर टॉमस रो** भारत आया। 10 जनवरी, 1616 को अजमेर में उसकी मुलाकात जहाँगीर से हुई।
- 1700 ई. में अंग्रेजों ने बंगाल में **फोर्ट विलियम** और **कलकत्ता नगर** की स्थापना की।
- अंग्रेजों ने बंगाल में अपने साम्राज्य की नींव **प्लासी के युद्ध** (23 जून 1757 ई.) से डाली तथा **रॉबर्ट क्लाइव** को **बंगाल का प्रथम गवर्नर** बनाया गया।
- 22 अक्टूबर 1764 को **बक्सर के युद्ध** में अंग्रेज सेना विजयी हुई। बक्सर युद्ध के पश्चात **1765 में इलाहाबाद संधि** हुई। यह संधि बंगाल के नवाब मीर कासिम व ईस्ट इंडिया कम्पनी के मध्य हुई। इस संधि के अनुसार कम्पनी को बंगाल, बिहार व उड़ीसा में राजस्व वसूलने का अधिकार मिल गया।

1773 का नियामक अधिनियम

- ब्रिटिश सरकार ने कम्पनी में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं कुप्रशासन को दूर करने के लिए **1773** ई. को रेग्यूलेटिंग एक्ट पारित किया। यह भारतीय संविधान के विकास की प्रक्रिया का प्रथम चरण था।
- तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री **लार्ड नार्थ** द्वारा गठित **गुप्त समिति** की सिफारिश पर इस एक्ट को पारित किया गया—
  - इस एक्ट द्वारा **बंगाल के गवर्नर** को **बंगाल, मद्रास व बम्बई** का गवर्नर जनरल बना दिया (**पहले गवर्नर जनरल लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स थे**) एवं उसकी सहायता के लिए एक चार सदस्यीय कार्यकारी परिषद का गठन किया गया।
  - इसके द्वारा **कलकत्ता में 1774 में एक उच्चतम न्यायालय** की स्थापना की गई जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश और तीन अन्य न्यायाधीश होते थे। मुख्य न्यायाधीश **सर एलिजा एम्पी** था।
  - इसके तहत कम्पनी के कर्मचारियों को निजी व्यापार करने और भारतीय लोगों से उपहार व रिश्वत लेना प्रतिबंधित कर दिया गया।
  - इस अधिनियम द्वारा ब्रिटिश सरकार का **कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स** (निदेशक मण्डल) के माध्यम से **कम्पनी पर** नियंत्रण सशक्त हो गया। भारतीय **राजस्व, नागरिक** और सैन्य मामलों की जानकारी ब्रिटिश सरकार को देना कम्पनी के लिए आवश्यक कर दिया गया।

पिट्स इंडिया एक्ट 1784

- पिट्स इंडिया एक्ट को **'एक्ट ऑफ सेटलमेंट'** भी कहते हैं। तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री **विलियम पिट** ने इस एक्ट को पुनः स्थापित किया। उनके नाम पर एक्ट का नाम रखा गया। इस एक्ट द्वारा ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रशासनिक कार्यों का पृथक्करण किया गया।
- इसके द्वारा **बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (निदेशक मण्डल)** को कम्पनी के व्यापारिक मामलों के अधीक्षण की अनुमति दी गयी लेकिन राजनैतिक मामलों के प्रबंधन के लिए **बोर्ड ऑफ कंट्रोल** की स्थापना हुई।
- इसके माध्यम से **द्वैध शासन** (दोहरा शासन) की शुरुआत हुई जो 1858 तक विद्यमान रही। एक कम्पनी के द्वारा तथा दूसरा संसदीय बोर्ड के द्वारा। यह अधिनियम दो प्रमुख कारणों से महत्त्वपूर्ण रहा—
  - भारत में **कम्पनी के अधीन** क्षेत्रों को सर्वप्रथम **ब्रिटिश आधिपत्य क्षेत्र** कहा गया।
  - ब्रिटिश सरकार को भारत में कम्पनी के कार्यों और इसके प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान किया गया।

1793 का चार्टर एक्ट

- इस एक्ट के द्वारा **नियंत्रण मण्डल (Board of Control)** के सदस्यों को भारतीय राजस्व से वेतन देने की व्यवस्था की गई, जो 1919 तक जारी रही।

1813 का चार्टर एक्ट

- इस एक्ट के द्वारा कम्पनी के **भारतीय व्यापार के एकाधिकार को समाप्त** कर दिया गया यद्यपि उसके **चीन में एकाधिकार** तथा **भारत में चाय के व्यापार** के अधिकार यथावत बने रहे।
- प्रथम बार अंग्रेजों की भारत पर **संवैधानिक स्थिति** स्पष्ट की गयी।
- इस एक्ट द्वारा **ईसाई धर्म प्रचारकों** को भारत में **धर्म प्रचार की** स्वतंत्रता दी गई।
- इस एक्ट द्वारा ईस्ट इंडिया कम्पनी को निर्देश दिये गये कि वह **भारतीय शिक्षा** पर **प्रतिवर्ष एक लाख रुपये** खर्च करे।

1833 का चार्टर एक्ट

- इस एक्ट ने कम्पनी को अगले 20 वर्षों के लिए नया जीवन दिया तथा उसे एक ट्रस्टी के रूप में प्रतिष्ठित किया। इसके द्वारा **कम्पनी के**

16 भारत का भूगोल [Polity of Geography]

भारत की भौगोलिक विशेषताएँ, पर्यावरणीय एवं पारिस्थिति परिवर्तन एवं इनके प्रभाव

भारत की अवस्थिति एवं विस्तार

- भारत उत्तरी गोलार्द्ध में 8°4'–37°6' उत्तरी अक्षांश और 68°7'–97°25' पूर्वी देशान्तर के बीच स्थित है। संपूर्ण भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4'–37°6' उत्तरी अक्षांश के मध्य है। भारत का क्षेत्रफल 32 लाख 87 हजार 263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में 7वाँ स्थान है जबकि जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में दूसरा स्थान है। क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़े छह देश हैं—रूस, कनाडा, चीन, स.रा. अमेरिका, ब्राजील एवं ऑस्ट्रेलिया।
- भारत का क्षेत्रफल सम्पूर्ण विश्व के क्षेत्रफल का 2.42% है जबकि इसकी जनसंख्या सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या का 18% है।
- भारत का उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम विस्तार क्रमशः 3214 किमी. एवं 2933 किमी. है।
- भारत की स्थल-सीमा की लम्बाई 15200 किमी. है। इसके तटीय भाग की लम्बाई 7516.5 किमी. है, परन्तु मुख्य भूमि के तटीय भाग की लम्बाई 6100 किमी. है।
- भारत की स्थल सीमा पर पाकिस्तान (3323 किमी.), अफगानिस्तान (106 किमी.), चीन (3488 किमी.), नेपाल (1751 किमी.), भूटान (699 किमी.), म्यांमार (1643 किमी.), बांग्लादेश (4096 किमी.), है।
- भारत का सबसे दक्षिणी बिन्दु **इन्दिरा पाइन्ट** है। यह निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। पूर्व में इसका नाम **पिगमिलयन प्वाइन्ट** था। यह भूमध्य रेखा से 876 किमी. दूर है। भारत के सबसे उत्तरी बिन्दु **इन्दिरा कॉल** लद्दाख में है।
- भारत एवं चीन की सीमा को **मैकमोहन रेखा** कहते हैं। यह रेखा 1914 ई. शिमला में निर्धारित की गई।
- भारत और अफगानिस्तान के बीच **डूरण्ड रेखा** है जो 1896 में सर डूरण्ड द्वारा निर्धारित की गई थी। अब यह रेखा अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के बीच है।
- भारत एवं पाकिस्तान के बीच **रेडक्लिफ रेखा** है जो 15 अगस्त, 1947 ई. को सर एम. रेडक्लिफ द्वारा निर्धारित की गई।
- दक्षिण में श्रीलंका भारत से पाक जलसंधि तथा मन्नार की खाड़ी द्वारा अलग होता है।
- भारत का मानक समय इलाहाबाद के पास नैनी से गुजरने वाली 82'.30' पूर्वी देशान्तर रेखा को माना गया है जो ग्रीनविच समय से 5.30 घंटा आगे है।
- कर्क रेखा लगभग भारत के मध्य गुजरती है यह भारत के आठ राज्यों से होकर गुजरती है—राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिजोरम।
- सर्वाधिक राज्यों की सीमाओं से लगा राज्य उत्तर प्रदेश है। इनकी सीमा आठ राज्यों से लगती है।
- भारतीय उप महाद्वीप में सम्मिलित देश भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान आदि है।
- भारत में नौ तटवर्ती राज्य हैं इनमें सबसे लम्बी तटवर्ती सीमा गुजरात एवं सबसे छोटी तट रेखा वाला राज्य गोवा है।
- भारत के राज्य जिनकी सीमा पाकिस्तान से लगती है—जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात आदि है।
- **भारत एवं चीन की सीमा से सटे राज्य**—जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम तथा अरूणाचल प्रदेश आदि है।
- भारत के राज्य जिनकी सीमा नेपाल से लगती है—उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तराखण्ड है।
- **भूटान की सीमा से लगे राज्य** सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असोम, अरुणाचल प्रदेश है।
- **म्यांमार की सीमा से लगे राज्य**—मणिपुर, अरूणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम आदि है।
- **बांग्लादेश की सीमा से सटे राज्य**—असम, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, प. बंगाल आदि है।
- तीन अर्द्धचन्द्राकार समुद्र तट कन्याकुमारी में मिलते हैं।
- जोजिला दर्रे का निर्माण सिंधु नदी द्वारा शिपकीला दर्रे का निर्माण सतलज नदी द्वारा एवं जैलेप्पा दर्रे का निर्माण तिस्ता नदी द्वारा हुआ है।

भारत के प्रमुख दर्रे

दर्रे	राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश
पीरपंजाल, जोजिला, बनिहाल, बुर्जिल दर्रा	जम्मू-कश्मीर
काराकोरम, चांग-ला, थांग ला, खारदुंग ला दर्रा	लद्दाख
शिपकी, रोहतांग, देबसा, शिंकूला, बड़ालाचा दर्रा	हिमाचल प्रदेश
लिपुलेख दर्रा, मंगशा धुरा, मुलिंग ला, माना, नीति ला दर्रा	उत्तराखण्ड
नाथूला, जैलेपया दर्रा	सिक्किम
तुजू दर्रा	मणिपुर
बोम्डिला, याग्याप दर्रा, दिफू दर्रा	अरुणाचल प्रदेश

पश्चिमी घाट के दर्रे

दर्रा	ऊँचाई (मीटर में)	स्थिति
थालघाट	580	नासिक एवं मुंबई के बीच का संपर्क मार्ग
भोरघाट	520	मुंबई एवं पुणे के बीच का संपर्क मार्ग
पालघाट	530	कोयंबटूर एवं कोचीन के बीच का संपर्क मार्ग
सिनकोट	280	त्रिवेन्द्रम एवं मदुरै के बीच का संपर्क मार्ग

महत्वपूर्ण पर्यावरण दिवस		
1.	विश्व आर्द्र भूमि संरक्षण दिवस	2 फरवरी
2.	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	27 फरवरी
3.	विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
4.	विश्व गौरैया दिवस	20 मार्च
5.	विश्व वानिकी दिवस	21 मार्च
6.	विश्व जल दिवस	22 मार्च
7.	विश्व मौसम विज्ञान दिवस	23 मार्च
8.	विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
9.	विश्व वायुमंडल दिवस	10 अप्रैल
10.	विश्व धरोहर दिवस	18 अप्रैल
11.	अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल
12.	अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस	3 मई
13.	विश्व प्रवासी पक्षी दिवस	8 मई
14.	राष्ट्रीय तकनीकी दिवस	11 मई
15.	विश्व जैव-विविधता दिवस	22 मई
16.	विश्व कछुआ संरक्षण दिवस	23 मई
17.	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून

महत्वपूर्ण पर्यावरण दिवस		
18.	विश्व समुद्र दिवस	8 जून
19.	ग्लोबल विंड डे	15 जून
20.	मरुस्थल व अनावृष्टि रोकथाम दिवस	17 जून
21.	विश्व समुद्री पक्षी दिवस	3 जुलाई
22.	विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
23.	अन्तर्राष्ट्रीय मैग्रोव दिवस	26 जुलाई
24.	अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस	29 जुलाई
25.	अन्तर्राष्ट्रीय बलात विलुप्ति शिकार दिवस	30 अगस्त
26.	अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस	16 सितम्बर
27.	अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस	26 सितम्बर
28.	विश्व प्राकृतिक दिवस	3 अक्टूबर
29.	विश्व पक्षी दिवस	12 नवम्बर
30.	विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 नवम्बर
31.	विश्व मृदा दिवस	5 दिसम्बर
32.	अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस	11 दिसम्बर
33.	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 दिसम्बर

पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर

1. एक दिए गए क्षेत्र के जातीय संघटन में क्रमिक और स्पष्टतया पूर्वानुमानित बदलाव कहलाते हैं— [Patwar (24.10.2021) Shift IV]
(A) पारिस्थितिकी जैवविविधता (B) जातीय प्रचुरता
(C) पारिस्थितिकी अनुक्रम (D) इनमें से कोई नहीं **[C]**
व्याख्या—एक दिए गए क्षेत्र के जातीय संघटन में क्रमिक और स्पष्टतया पूर्वानुमानित बदलाव पारिस्थितिकी अनुक्रम कहलाते हैं। इस अनुक्रम के दौरान कुछ प्रजातियाँ एक क्षेत्र का उपनिवेश करती है और उनकी आबादी अधिक हो जाती है जबकि अन्य प्रजातियों की आबादी घट जाती है। यह अनुक्रम या तो नए, निर्जन आवास के निर्माण से शुरू होता है या किसी समुदाय की गड़बड़ी से।

2. निम्न में से कौन-सा अब तक स्थापित जैवमंडल निचय में शामिल नहीं है? [Patwar (23.10.2021) Shift II]
(A) सुंदरबन (B) ग्रेट निकोबार
(C) नंदा देवी (D) कच्छ की खाड़ी **[D]**
व्याख्या—

नाम	स्थापना वर्ष	राज्य
नंदादेवी	1988	उत्तराखंड
सुंदरवन	1989	पश्चिम बंगाल
ग्रेट निकोबार	1989	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह

उल्लेखनीय है कि कच्छ की खाड़ी को जैवमंडल निचय (biosphere reserve) में शामिल नहीं किया गया है।

3. विश्व ओजोन दिवस किस दिन मनाया जाता है? [Patwar (23.10.2021) Shift I]
(A) 16 सितम्बर (B) 20 अक्टूबर
(C) 21 नवम्बर (D) 12 दिसम्बर **[A]**
व्याख्या—ओजोन परत के क्षय के गंभीर मुद्दे और इससे निपटने के वैश्विक प्रयासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। यह वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करने का स्मृति दिवस है, जो एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है और इसका उद्देश्य ओजोन क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन एवं खपत को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।

4. प्रजातियां जो केवल कुछ विशेष क्षेत्रों में पाई जाती हैं और जो आमतौर पर प्राकृतिक या भौगोलिक बाधाओं के कारण अलग-थलग हो जाती हैं वो ..... कहलाती हैं।
(A) विलुप्तप्राय: प्रजातियाँ (B) दुर्लभ प्रजातियां
(C) अतिसंवेदनशील प्रजातियाँ (D) स्थानिक प्रजातियाँ **[D]**

5. ग्रीनहाउस गैसों यथा नाइट्रस ऑक्साइड तथा मेथेन पैदा करने की सबसे अधिक संभावना निम्नलिखित में से किस जीव से की जा सकती है?
(A) कवक (B) केंचुआ (C) जीवाणु (D) हरे पौधे **[C]**

6. सबसे अधिक स्थायी पारिस्थितिक तंत्र कौन-सा है?
(A) मरुस्थल (B) महासागर (C) पर्वत (D) वन **[B]**

7. संकटग्रस्त प्रजातियों को किस रंग की डेटा बुक में दर्शाया जाता है?
(A) नीली (B) काली (C) लाल (D) हरी **[C]**

8. खाद्य-शृंखला में सबसे निचला स्तर है—
(A) उपभोक्ता (B) दूसरा उपभोक्ता
(C) उत्पादक (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं **[C]**

9. निम्न में से कौन-सा जोड़ा सही है?
(A) प्राथमिक उपभोक्ता-तेंदुआ (B) द्वितीयक उपभोक्ता-घास
(C) अपघटक-बैक्टीरिया (D) उत्पादक-हिरण **[C]**

10. भारत का जीवमंडल रिजर्व नंदा देवी (यूनेस्को) किस राज्य में स्थित है?
(A) उत्तराखण्ड (B) सिक्किम
(C) मेघालय (D) हिमाचल प्रदेश **[A]**

11. पृथ्वी से टकराने वाला पराबैंगनी विकिरण किसके अवक्षय के कारण होता है?
(A) कार्बन मोनोक्साइड (B) कार्बन डाइऑक्साइड
(C) ओजोन (D) ऑक्सीजन **[C]**

1 राजस्थान का भूगोल

राज्य के नवीन जिले एवं संभागीय व्यवस्था

❖ राजस्थान के एकीकरण के अंतिम चरण के दौरान 1 नवम्बर, 1956 को वर्तमान राजस्थान की भौगोलिक सीमाएँ अस्तित्व में आयी, प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की आवश्यकताओं के चलते समय-समय पर यहाँ नवीन जिलों एवं संभागों का गठन हुआ है। राजस्थान सरकार द्वारा **6 अगस्त, 2023** को जारी अधिसूचना के बाद राजस्थान के जिलों एवं संभागों की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है—

राजस्थान सरकार द्वारा 7 अगस्त, 2023 को प्रभावी अधिसूचना के बाद राजस्थान के 50 जिले

राज्य पक्षी–गोड़ावण

राज्य खेल–बॉस्केटबॉल

राज्य वृक्ष – खेजड़ी

- राजस्थान के अंतर्राज्यीय सीमा वाले जिलों में **झालावाड़** सर्वाधिक सीमा (520 किलोमीटर) बनाने वाला जिला है, जबकि **बाड़मेर** न्यूनतम अंतर्राज्यीय सीमा (14 किलोमीटर) बनाने वाला जिला है।
- केवल **बाड़मेर** व **गंगानगर** जिले राज्य की अन्तरराष्ट्रीय एवं अन्तर्राज्यीय दोनों सीमा बनाते हैं।
- जिलों के पुनर्गठन के बाद राजस्थान में **22 अन्तर्वती/अन्तःस्थलीय** जिले हो गये हैं पूर्व में इनकी संख्या **8** थी। अन्तःस्थलीय जिले ऐसे जिले होते हैं जिनकी सीमा किसी भी राज्य या देश से नहीं लगती है।
- राजस्थान के 4 जिले दो राज्यों के साथ सीमा बनाते हैं—
  1. हनुमानगढ़ — (पंजाब, हरियाणा)
  2. डीग — (हरियाणा, उत्तर प्रदेश)
  3. धौलपुर — (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश)
  4. बाँसवाड़ा — (मध्य प्रदेश, गुजरात)
- **कोटा** राजस्थान का वह जिला है, जो एक राज्य (M.P.) के साथ दो बार सीमा बनाता है लेकिन विखण्डित नहीं होता है।
- **चितौड़गढ़** भी ऐसा जिला है जो एक राज्य (M.P.) के साथ दो बार सीमा बनाता है किन्तु विखण्डित हैं भीलवाड़ा चितौड़ जिले को दो भागों में बाँटता है।
- चितौड़ के अतिरिक्त **अजमेर** भी विखण्डित जिला था किन्तु जिलों के गठन/पुनर्गठन के बाद अजमेर विखण्डित नहीं रहा।
- बाँसवाड़ा में स्थित **मानगढ़ पहाड़ी** को लेकर गुजरात व राजस्थान दोनों राज्यों के मध्य सीमा विवाद है।
- उल्लेखनीय है कि 1913 में यहाँ भील सभा पर गोलियाँ चलाई गई थी जो मानगढ़ हत्याकांड कहलाया था।
- राजस्थान के पड़ोसी राज्यों के साथ लगने वाले जिले निम्न सारणी से स्पष्ट हैं—

क्र.स.	पड़ोसी राज्य	जिलों की संख्या	राजस्थान के जिलों के नाम जो पड़ोसी राज्यों से लगते हैं
1.	पंजाब	2 जिले	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
2.	हरियाणा	8 जिले	हनुमानगढ़, चूरू, झुँझुनूँ, नीम का थाना, कोटपूतली-बहरोड़, तिजारा-खैरथल, डीग, अलवर
3.	उत्तर प्रदेश	3 जिले	भरतपुर, धौलपुर, डीग
4.	मध्य प्रदेश	10 जिले	धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, कोटा, बाराँ, चितौड़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, झालावाड़
5.	गुजरात	6 जिले	बाड़मेर, सांचौर, सिरोही, उदयपुर, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर

पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर

1. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों को उत्तर से दक्षिण की ओर सही क्रम में व्यवस्थित करें—
(i) श्रीगंगानगर (ii) जालौर
(iii) जोधपुर (iv) बीकानेर
कूट:
(A) (iii), (i), (iii), (iv) (B) (i), (ii), (iii), (iv)
(C) (i), (iv), (iii), (ii) (D) (ii), (iv), (iii), (i) **[C]**

2. राज्य के कौनसे जिले अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर दक्षिण से उत्तर की ओर स्थित है?
(A) गंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, जैसलमेर एवं बाड़मेर
(B) बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, अनूपगढ़ एवं गंगानगर
(C) जालौर, जैसलमेर, अनूपगढ़, बीकानेर एवं गंगानगर
(D) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, जालौर एवं अनूपगढ़ **[B]**

3. निम्नांकित में से राजस्थान के कौन-से जिले से होकर कर्क रेखा गुजरती है?
(A) जालौर (B) सिरोही
(C) बांसवाड़ा (D) झालावाड़ **[C]**

4. निम्न में से कौन सा राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार है?
(A) 23°03' उत्तर एवं 30°12' उत्तर
(B) 23°03' उत्तर एवं 30°12' दक्षिण
(C) 23°30' उत्तर एवं 30°21' उत्तर
(D) 23°30' दक्षिण एवं 30°12' दक्षिण **[A]**

5. क्षेत्रफल के अनुसार दिए हुए जिलों का सही अवरोही क्रम है:
(i) जैसलमेर (ii) नागौर
(iii) टोंक
(A) (iii), (ii), (i) (B) (ii), (iii), (i)
(C) (i), (ii), (iii) (D) (iii), (i), (ii) **[C]**

6. राजस्थान का क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल का ..... प्रतिशत है—
(A) 9.95 प्रतिशत (B) 10.55 प्रतिशत
(C) 10.41 प्रतिशत (D) 11.45 प्रतिशत **[C]**

7. राजस्थान की पाकिस्तान के साथ अन्तरराष्ट्रीय सीमा की कुल लम्बाई है—
(A) 1050 कि.मी. (B) 1020 कि.मी.
(C) 1010 कि.मी. (D) 1070 कि.मी. **[D]**

8. निम्न में से राजस्थान के किस जिले की सीमा मध्यप्रदेश से संयुक्त है?
(A) भरतपुर (B) डूँगरपुर
(C) सिरोही (D) झालावाड़ **[D]**

राजस्थान के भौतिक विभाग

- राजस्थान के भौतिक प्रदेशों में सर्वप्रथम **अरावली** का निर्माण या उद्भव हुआ। इसके बाद क्रमशः **दक्षिण-पूर्वी पठार** एवं **पूर्वी मैदान** अस्तित्व में आए। सबसे अन्त में **पश्चिमी रेतीले मैदान (थार का मरुस्थल)** का निर्माण हुआ।

- ❖ वन्य जीवों को पास से देखने के लिए **रामसागर, झामरा** आदि स्थानों पर अवलोकन स्तम्भ बनाए गए हैं, जिन्हें रियासती ज़माने में **'औदिया'** कहा जाता था।
- ❖ यहाँ पर सांभर, नील गाय, चीतल, हिरण, जंगली सूअर एवं **एलेक्जेन्ड्रिया पेराकीट (गागरोनी तोते)** प्रमुख वन्य जीव हैं। गागरोनी तोते को **टुईया तोता** भी कहते हैं, जो मानव की बोली की हूबहू नकल करता है। इतिहासकारों ने इसे **हीरामन तोता** तथा **'हिन्दुओं का आकाश लोचन'** कहा है।
- ❖ मुकन्दरा हिल्स अभयारण्य को **राष्ट्रीय उद्यान** का दर्जा **9 जनवरी, 2012** को मिला।
- ❖ राजस्थान की **तीसरी बाघ परियोजना** मुकन्दरा हिल्स में **11 अप्रैल, 2013** में प्रारम्भ हो गयी है।

वन्य जीव अभयारण्य

अभयारण्य	अवस्थिति का जिला	स्थापना वर्ष	क्षेत्रफल	पाये जाने वाले जन्तु	विशेष विवरण
जयसमन्द अभयारण्य	सलूम्बर	**1 नवम्बर, 1955**	52.34 वर्ग किमी.	**चितकबरे हिरण**, सांभर, जंगली सूअर, चीता, तेंदुआ, काला भालू, **चकवा–चकवी**	शीतकाल में यहाँ 112 प्रजातियों के पक्षी आते हैं। यह **बहोरा** पक्षी के आश्रय स्थल के रूप में विशेष पहचान रखता है।
सरिस्का वन्य जीव अभयारण्य	अलवर	1 नवम्बर, 1955	544.22 वर्ग किमी.	मोर, बघेरा, सांभर, चीतल, नील गाय, काला खरगोश एवं हरे कबूतर	अभयारण्य क्षेत्र में सिलिसेढ़ झील, **RTDC** की **होटल टाईगर डेन,** नीलकण्ठ महादेव, गढ़राजोर का जैन मंदिर, पाराशर आश्रम, भर्तृहरि की गुफाएँ एवं पाण्डुपोल स्थित हैं। **1978-79** में प्रारम्भ राजस्थान की दूसरी बाघ परियोजना। यहाँ लगभग 200 प्रजातियों के पक्षी पाये जाते हैं।
राष्ट्रीय मरुद्यान	जैसलमेर, बाड़मेर	**1981**	3162.50 वर्ग किमी.	पिजरा, स्पेन गौरैया, तीतर, हुबारा, फुंसा, शाहीभट, डोमोजल क्रेन, **मरू बिल्ली**, लोमड़ी, **गोह**, चिंकारा, सेंडफिश, भेड़िया, खरगोश, **कोबरा, पीवणा साँप**	क्षेत्रफल की दृष्टि से यह **राज्य का सबसे बड़ा अभयारण्य** है। इसे **'गोडावण की शरणस्थली'** भी कहा जाता है।
तालछापर अभयारण्य	चूरू	**1962**	7.19 वर्ग किमी.	**काले हिरणों** एवं **प्रवासी पक्षी कुरजां**	अभयारण्य में **तालछापर** नामक झील है जहाँ वर्षाकाल में **मोचिया साइप्रस रोटन्डस** नामक नर्म घास उगती है। महाभारत काल में छापर **'द्रोणपुर'** के नाम से जाना जाता था।
वन विहार अभयारण्य	धौलपुर	1 नवम्बर, 1955	25.60 वर्ग किमी.	**रीछ,** शेर, चीता, सांभर, चीतल, बघेरा एवं नीलगाय	**तालाब ए शाही झील** व चम्बल नदी की निकटता से यह अभयारण्य पक्षियों की उत्तम आश्रय स्थली है।
माउण्ट आबू अभयारण्य	सिरोही	**15 अप्रैल, 1960**	103.967 वर्ग किमी.	जंगली मुर्गा, रीछ, जरख, नीलगाय, भेड़िया, शेर, चीता, तेंदुआ, चिंकारा, चीतल, जंगली सूअर, तीतर एवं बटेर	इस अभयारण्य में **प्राकृतिक रूप से उगे फलों के बाग** पाए जाते हैं। यहाँ पर उगने वाली विशेष घास को स्थानीय भाषा में **'कारा'** कहते हैं। **'आबू एन्सिस डिकिल्पटेरा'** नामक वनस्पति के लिए प्रसिद्ध है।
जवाहर सागर अभयारण्य	कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़	9 अक्टूबर, 1975	194.6 वर्ग किमी.	घड़ियाल व मगरमच्छ	यहाँ पर **कोटा बाँध, गैपरनाथ का मंदिर** एवं **गरडिया महादेव** स्थित है। यहाँ बाँस के सघन वन पाए जाते हैं। यह एक **जलीय अभयारण्य** हैं।
दर्रा अभयारण्य	कोटा, झालावाड़	**1 नवम्बर, 1955**	227.63 वर्ग किमी.		यह अभयारण्य मुकन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान से सटा हुआ है।
कुम्भलगढ़ अभयारण्य	राजसमंद, पाली, उदयपुर	**13 जुलाई, 1971**	610.53 वर्ग किमी.	सांभर, रीछ, भालू, बारहसिंघा एवं **जंगली भेड़िया**	**कुम्भलगढ़ दुर्ग, जैन तीर्थ रणकपुर** एवं **मूँछला महावीर** इसी क्षेत्र में स्थित हैं।
रामगढ़ विषधारी अभयारण्य	बूँदी	**20 मई, 1982**	303.05 वर्ग किमी.	**जंगली कुत्ते**, बाघ, नीलगाय, हिरण, बघेरा, जंगली मुर्गे	

सभ्यता का नाम	खोजकर्ता/उत्खननकर्ता	विशेष विवरण
सुनारी, खेतड़ी (नीमकाथाना)		**लौहयुगीन सभ्यता** जहाँ से लौह **अयस्क गलाने की भट्टी, लोहे के अस्त्र-शस्त्र** व **बर्तन प्राप्त हुए** हैं। यहाँ के निवासी चावल व माँस खाते थे तथा घोड़ों का प्रयोग रथ खींचने में करते थे। **अन्य लौहयुगीन सभ्यता (आर्य सभ्यता) स्थल :** जोधपुरा (जयपुर), चक चौरासी व तरखानवाला डेरा (गंगानगर), **नोह** (भरतपुर) **विराट नगर** (कोटपूतली-बहरोड़)।
नगरी (माध्यमिका), चित्तौड़गढ़	**डॉ. भण्डारकर** (1904) / **केन्द्रीय पुरातत्व विभाग** द्वारा	**शिवि जनपद** के सिक्के व गुप्तकालीन कला के अवशेष मिले हैं।
नगर (मालव नगर), उणियारा (टोंक)		मालव सिक्के व आहत मुद्राएँ एवं गुप्तकालीन लेख प्राप्त हुए हैं।
तिलवाड़ा, बालोतरा	**वी.एन. मिश्रा एवं डॉ. ब्रेशनि** (1967-68)	लूनी नदी के किनारे स्थित इस सभ्यता के उत्खनन में 500 ई.पू. से 200 ई. तक की सभ्यताओं के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
बिनजोर (अनूपगढ़)		अनूपगढ़ के निकट बिनजोर नामक स्थान से सिन्धु घाटी की औद्योगिक गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण पुरातात्विक साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
रैढ़, निवाई (टोंक)	**केदारनाथ पुरी** (1938–40)	प्राचीन भारत का **टाटा नगर** कहलाता है। उत्खनन में लौह का विशाल भण्डार प्राप्त हुआ है।
गुरारा, सीकर		यहाँ चाँदी से बने 2744 **पंचमार्क सिक्के** मिले है।
नूआँ, झुँझुनूँ		इस कस्बे में एक प्राचीन हवेली की खुदाई के दौरान अंतिम मुगल बादशाह **बहादुर शाह जफर** के समय में ईस्ट इंडिया कम्पनी की ओर से जारी एक रुपए मूल्य के **चाँदी के हजारों सिक्के** मिले हैं।
ओला, जैसलमेर		इस क्षेत्र में 60 हजार से 1 लाख वर्ष पुरानी पाषाण कालीन सामग्री मिली है।
कुंडा, जैसलमेर		यहाँ उत्खनन के दौरान 5000 वर्ष पुरानी सभ्यता के अवशेष मिले हैं।
पारेवार व सानू, जैसलमेर		इस गाँव के चूहे के दांत के विश्व में प्राचीनतम (9 से 14 करोड़ साल पुराने क्रिटेशियम काल के) जीवाश्म मिले हैं। राज्य में रीढखम्भधारी श्रेणी के 3 प्रमुख वर्गों स्तनधारी, सरीसृप एवं मत्स्य के **जीवाश्मों की यह पहली व्यवस्थित खोज है।**
सोथी, बीकानेर	**अमलानंद घोष** (1953)	इस स्थल से हड़प्पायुगीन अवशेष प्राप्त हुए हैं। इसे **कालीबंगा-प्रथम** के नाम से भी जाना जाता है।
जहाजपुर, शाहपुरा		ऐतिहासिक स्थल जहाँ स्थित **बड़ा देवरा** (पुराने मंदिरों का समूह), पुराना किला व गैबीपरी मस्जिद दर्शनीय है। यहाँ महाभारतकालीन अवशेष मिले हैं।
कणसवा, कोटा		यहाँ 738 ई. का एक अभिलेख मिला, जो मौर्यवंशीय राजा **'धवल'** से संबंधित है।
तिपटिया, कोटा		दर्रा वन्य जीव अभयारण्य में स्थित उत्तर-पाषाण काल से ऐतिहासिक युग तक के 37000 साल पुराने शैल चित्रों का प्राप्ति स्थल।
डाडाथोरा, बीकानेर		यहाँ से लघु पाषाणकाल की पुरातात्विक सामग्री प्राप्त हुई है।

राजस्थान के पुरातात्त्विक स्थल : एक दृष्टि में

संस्कृति काल	स्थल
पुरा पाषाण काल	डीडवाना (डीडवाना-कुचामन), जायल (नागौर), विराटनगर (कोटपूतली-बहरोड़), भानगढ़ (अलवर), इन्द्रगढ़ (बूँदी), दर (भरतपुर)
मध्यपाषाण काल	बागौर (भीलवाड़ा), तिलवाड़ा (बालोतरा), विराटनगर (कोटपूतली-बहरोड़)
नवपाषाण काल	आहड़, गिलूण्ड (उदयपुर), कालीबंगा (हनुमानगढ़)
ताम्रपाषाण काल	बागौर (भीलवाड़ा), तिलवाड़ा (बालोतरा) बालाथल (वल्लभनगर, उदयपुर)
ताम्र युगीन	गणेश्वर (नीमकाथाना), बेणेश्वर (डूँगरपुर), नन्दलालपुरा, किराड़ोत, चीथवाड़ी (जयपुर) साबणियाँ, पूंगल (बीकानेर), बूढ़ा पुष्कर (अजमेर), कुराड़ा, परबतसर (डीडवाना-कुचामन), पिण्ड पाड़लिया (चित्तौड़), ऐलाना (जालौर), कोल माहौली (सवाई माधोपुर), मलाह (भरतपुर) आदि
लौह युगीन	नोह (भरतपुर), विराटनगर, जोधपुरा (कोटपूतली-बहरोड़), सांभर (जयपुर), सुनारी (झुँझुनूँ), रैढ, नगर, नैनवा (टोंक), भीनमाल (जालौर), नगरी (चित्तौड़गढ़)

पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर

1. ब्रिटिशकाल के दौरान राजस्थान में खरड़ा क्या था?
[Patwar (24.10.2021) Shift IV]
(A) राज्य की सेना जब किसी गाँव के पास पड़ाव डालती, तो उसके भोजन के लिए गाँव के लोगों से वसूल किया जाने वाला धन।
(B) गढ़ के निर्माण व मरम्मत हेतु दो रुपए प्रति घर से वसूले जाते थे।
(C) श्रमजीवी जातियों से वसूली जाने वाली राशि।
(D) इनमें से कोई नहीं **[C]**
व्याख्या—ब्रिटिश काल के दौरान श्रमजीवी जातियों से वसूली जाने वाली राशि को **'खरड़ा'** कहा जाता था।

2. राजस्थान की प्राचीन रियासत के संदर्भ में कांसा परोसा क्या था? [Patwar (24.10.2021) Shift III]
(A) सिंचाई की एक किस्म (B) इनमें से कोई नहीं
(C) एक प्रकार की लाग (कर)(D) भूमि का एक प्रकार **[C]**
व्याख्या—राजस्थान की प्राचीनतम रियासत के संदर्भ में कांसा परोसा एक प्रकार की लाग (कर) थी। इसे सामाजिक कर के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। यह कर किसानों से विवाह एवं मृत्युभोज के अवसर पर वसूला जाता था।

3. राजस्थान में उत्पादन क्षमता के आधार पर भूमि के प्रकार हकत-बहत का अर्थ है— [Patwar (23.10.2021) Shift II]
(A) सिंचाई एवं कृषि के लिए उपयुक्त भूमि
(B) गाँव के समीप चक भूमि (संलग्न)
(C) संपूर्ण वर्ष खेत को बिना खेती के छोड़न
(D) नहर द्वारा सिंचित भूमि **[A]**
व्याख्या—राजस्थान में उत्पादन क्षमता के आधार पर भूमि के प्रकार हकत-बहत का अर्थ - सिंचाई एवं कृषि के लिए उपर्युक्त भूमि है।

4. मेवाड़ राज्य में सामंतों की श्रेणी कहलाती थी?
(A) कोटड़ी (B) उमराव
(C) जीवणी (D) हजूरथी **[B]**

5. मारवाड़ में सामंतों की चार श्रेणियों में जो शामिल नहीं थी?
(A) राजवी (B) सरदार
(C) गनायत (D) उमराव **[D]**

6. वह जागीर जो धमार्थ या शिक्षण कार्य हेतु कर मुक्त भूमि के रूप में दी जाती थी—
(A) सामंत जागीर (B) हुकुमत जागीर
(C) भौम जागीर (D) सासण जागीर **[D]**

7. खड़ी फसल को देखकर अनुमानित लगान वसूलने की विधि थी?
(A) डोरी (B) कूंता
(C) मुकाता (D) घूघरी **[B]**

8. निम्न में से कौन-सी भू-राजस्व व्यवस्था राजा टोडरमल से संबंधित है?
(A) बटाई (B) जरीब
(C) जब्ती (D) कनकट **[C]**

9. राजस्थान के इतिहास में 'पट्टा रेख' से क्या अभिप्राय है?
(A) बेगार (B) आयात-निर्यात कर
(C) सैन्य कर (D) आकलित राजस्व **[D]**

10. मध्ययुगीन राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक जीवन के संदर्भ में 'पंचकुल' है?
(A) जाति पंचायत (B) उच्चवर्गों के लिए गुरुकुल
(C) ग्रामीण परिषद् (D) मन्दिर पंचायत **[C]**

11. 'डाबी' और 'जीवणी' सामन्तों की श्रेणी राजस्थान में कहाँ प्रचलित थी?
(A) जैसलमेर (B) उदयपुर
(C) मारवाड़ (D) कोटा **[A]**

12. मारवाड़ के वे सामंत, जिन्हें राजा का निकट संबंधी होने के कारण तीन पीढ़ियों तक चाकरी और रेख देने से मुक्त रखा जाता था, कहलाते थे—
(A) राणावत (B) कुम्पावत
(C) राजवी (D) सरदार **[C]**

13. राजवी, सरदार, मुत्सदी और गनायत किस राज्य में सामन्तों की श्रेणियाँ थी?
(A) मारवाड़ (B) हाडौती
(C) जयपुर (D) मेवाड़ **[A]**

14. बारह कोटड़ी नामक सामंती व्यवस्था का संबंध किस राज्य से है?
(A) आमेर राज्य (B) मेवाड़ राज्य
(C) मारवाड़ राज्य (D) बीकानेर राज्य **[A]**

15. लाटा और कूंता का संबंध है—
(A) मारवाड़ के जमींदारों द्वारा किसानों पर लगाये गए कर से
(B) सुविधाओं पर लगाये कर से
(C) उपज पर कर आंकने की पद्धति से
(D) चुंगी कर से **[C]**

16. मुगल सम्राट की आज्ञानुसाद राजपूताना में शाही पदाधिकारी द्वारा जारी किये जाने वाले कागजात कहलाते थे—
(A) खरीता (B) मन्सूर
(C) फरमान (D) हस्बुल हुक्म **[D]**

17. मध्यकालीन प्रशासनिक व्यवस्था में सैन्य विभाग का मुखिया होता था?
(A) प्रधान (B) बक्षी
(C) मुत्सद्दी (D) शिकदार **[B]**

18. मध्यकालीन राजस्व व्यवस्था में नौकरशाहों के रूप में नियुक्त किया जाता था—
(A) मुत्सद्दी (B) शिकदार
(C) अक्षपटलिक (D) भाण्डारिक **[A]**

19. राज्य की आय-व्यय का ब्यौरा रखने वाला अधिकारी कहलाता था—
(A) अक्षपटलिक (B) बक्षी
(C) मुत्सद्दी (D) भाण्डारिक **[A]**

व्याख्या—शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध अर्थूणा मंदिर बाँसवाड़ा जिले में स्थित है। यहाँ स्थित मंदिरों में मंडलेश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। यह मंदिर पंचायतन प्रकार का है। यहाँ नीलकण्ठ महादेव मंदिर, कुम्भेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर, कनफटा साधु मंदिर आदि बने हुए हैं।

5. सूची–I (विरासत) का सूची–II (स्थान) के साथ मिलान करें और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें :

[Patwar (24.10.2021) Shift III]

सूची–I	सूची–II
a. गजनेर महल	1. बाड़मेर
b. किराडू मंदिर	2. उदयपुर
c. जग मंदिर	3. बीकानेर

कूट :	a	b	c	
(A)	2	1	3	
(B)	3	1	2	
(C)	3	2	1	
(D)	1	2	3	**[B]**

व्याख्या—राजस्थान के उपर्युक्त विरासत स्थलों का स्थान से सही मिलान इस प्रकार है–

गजनेर महल	बीकानेर
किराडू मंदिर	बाड़मेर
जग मंदिर	उदयपुर

6. निम्न में से कौन–सा जोड़ा गलत है? [Patwar (23.10.2021) Shift II]

(A) एकलिंगजी मंदिर – उदयपुर
(B) करणी माता मंदिर – देशनोक
(C) सूर्य मंदिर – भरतपुर
(D) मीराबाई मंदिर – चित्तौड़गढ़, मेड़ता **[C]**

व्याख्या—सूर्य मंदिर भरतपुर जिले में स्थित नहीं है। राजस्थान के पाली, झालावाड़ एवं जयपुर जिले में प्रसिद्ध सूर्य मंदिर है।

7. निम्नलिखित को सुमेलित करें— [Patwar (23.10.2021) Shift II]

a. तारागढ़ किला	**1. जोधपुर**
b. जयगढ़	**2. अजमेर**
c. कीर्ति स्तंभ	**3. चित्तौड़गढ़**
d. मेहरानगढ़ किला	**4. जयपुर**

कूट :	a	b	c	d	
(A)	2	4	3	1	
(B)	1	2	3	4	
(C)	2	4	1	3	
(D)	1	3	4	2	**[A]**

व्याख्या—उपर्युक्त दुर्ग/इमारतों का स्थान से सही मिलान इस प्रकार हैं—

a. तारागढ़ किला	**1. अजमेर**
b. जयगढ़	**2. जयपुर**
c. कीर्ति स्तंभ	**3. चित्तौड़गढ़**
d. मेहरानगढ़ किला	**4. जोधपुर**

8. 'हवा महल' जयपुर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से प्रश्न का उत्तर दीजिए—

[Patwar (23.10.2021) Shift II]

1. हवा महल एक पाँच मंजिला संरचना है।
2. हवा महल महाराजा सवाई प्रताप सिंह द्वारा बनवाया गया था।
3. हवा महल में 983 झरोखे या जटिल डिजाइनों से सजाई गई खिड़कियाँ हैं।

हवा महल के बारे में ऊपर दिए गए कथनों में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(A) 1 और 3 (B) 1 और 2
(C) 2 और 3 (D) 1, 2 और 3 **[B]**

व्याख्या—जयपुर के सवाई प्रतापसिंह (1778-1803 ई.) ने 1799 ई. में जयपुर में 5 मंजिला हवामहल बनवाया। यह भगवान विष्णु को समर्पित है। हवामहल का वास्तुकार उस्ताद लालचंद था। हवामहल में 365 खिड़कियों सहित 953 जालियाँ हैं।

9. चित्तौड़गढ़ के विजय स्तंभ के बारे में निम्न तथ्यों को पढ़िये :
1. यह प्रसिद्ध है कि इसे महाराणा कुम्भा ने बनवाया था।
2. इसकी कुल 11 मंजिलें हैं।
3. इसमें जैता की मूर्ति उत्कीर्ण है।
उपर्युक्त में से सही तथ्य हैं [Patwar (23.10.2021) Shift I]

(A) 1, 2, 3 (B) 1, 2
(C) 2, 3 (D) 1, 3 **[D]**

व्याख्या—महाराणा कुंभा ने 1437 ई. में मालवा के शासक महमूद खिलजी के विरुद्ध सारंगपुर युद्ध में विजय के उपलक्ष्य में चित्तौड़गढ़ में विजय स्तम्भ का निर्माण करवाया। इस नौ मंजिले एवं 122 फीट ऊँचे स्तम्भ को भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष कहते है। विजयस्तम्भ का निर्माण प्रधान शिल्पी जैता व उसके तीन पुत्रों नाथा, पोमा और पूँजा की देखरेख में हुआ।

10. पृथ्वीराज की '12 खम्भों की छतरी' निम्नलिखित में से किस जिले में स्थित है?

(A) मेहरानगढ़ किला (B) गोगुन्दा किला
(C) चित्तौड़गढ़ किला (D) कुंभलगढ़ किला **[D]**

11. मेहरानगढ़ दुर्ग में स्थित चामुण्डा माता मंदिर की स्थापना किसने की थी?

(A) राव कल्याणमल (B) राव जोधा
(C) महाराज अजीत सिंह (D) दुर्गादास **[B]**

12. बडोली (कोटा) के शिव मंदिर का निर्माण किसने करवाया?

(A) तोरमाण (B) मिहिरकुल
(C) भोज परमार (D) भोज प्रतिहार **[B]**

13. मेवाड़ राज घराने के अन्त्येष्टि स्थल का नाम क्या है?

(A) कागा (B) गेटोर (C) महासतियाँ (D) बड़ा बाग **[C]**

14. आभानेरी तथा राजौरगढ़ के कलात्मक वैभव किस काल से संबंधित है?

(A) गुर्जर—प्रतिहार (B) चौहान
(C) गुहिल—सिसोदिया (D) राठौड़ **[A]**

15. चित्तौड़गढ़ दुर्ग के प्रथम द्वार 'पाडन पोल' के पास बने चबूतरे पर निम्न में से किसका स्मारक बना हुआ है?

(A) जयमल राठौड़ (B) पत्ता सिसोदिया
(C) कल्ला राठौड़ (D) रावत बाघ सिंह **[D]**

नाम (जन्म स्थल)	विशेष विवरण
नारायणी देवी आचार्य	स्वतंत्रता सेनानी माणिक्यलाल वर्मा की पत्नी नारायणी देवी का राजस्थान की महिला स्वतंत्रता सेनानियों में अग्रणी स्थान है। इन्होंने देश में महामारी के दौरान मरीजों की मदद की तथा 1939 में वर्माजी के जेल जाने पर मेवाड़ प्रजामण्डल का संचालन किया। 14 नवम्बर, 1944 को भीलवाड़ा में महिला आश्रम की स्थापना की। 1952-53 में आदिवासी कन्या छात्रावास की स्थापना की।

पटवार / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर

1. 'चिडावा का गाँधी' किसे कहा गया है? [Patwar 2016]
(A) सरदार हरलाल सिंह (B) सेठ घनश्याम दास बिड़ला
(C) मास्टर प्यारेलाल गुप्ता (D) राधाकृष्ण बोहरा **[C]**
व्याख्या—1922 ई. में प्यारेलाल गुप्ता ने खेतड़ी ठिकाने के चिड़ावा कस्बे में अमर सेवा समिति की स्थापना की। उन्हें 'चिड़ावा के गांधी' के नाम से जाना जाता है।

2. निम्न में से किसे भू-दान और कूप-दान कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण भारत सरकार ने 1956 में, पद्म विभूषण से सम्मानित किया?
(A) रतन शास्त्री (B) अंजना देवी चौधरी
(C) जानकी देवी बजाज (D) नारायणी देवी वर्मा **[C]**

3. 'भारतीय प्राचीन लिपिमाला' के प्रसिद्ध लेखक हैं—
(A) रामकर्ण आसोपा (B) विश्वेश्वरनाथ रेऊ
(C) मुनि जिन विजय (D) गौरीशंकर हीराचंद ओझा **[D]**

4. किसके नेतृत्व में, 25 अप्रैल, 1934 को कटराथल में आयोजित विशाल महिला सम्मेलन में हजारों महिलाओं ने भाग लिया?
(A) रमा देवी (B) उत्तमा देवी
(C) किशोरी देवी (D) दुर्गा देवी **[C]**

5. जेल में अन्याय के खिलाफ भूख हड़ताल के कारण मारवाड़ लोक परिषद् के किस नेता की मृत्यु 19 जून, 1942 को हुई?
(A) रणछोड़दास गट्टानी (B) आनंद राज सुराणा
(C) भंवरलाल शर्मा (D) बाल मुकुंद हिस्सा **[D]**

6. 'जैसलमेर का गुंडाराज' पुस्तक के लेखक निम्न में से कौन थे?
(A) सागरमल गोपा (B) हीरालाल शास्त्री
(C) जयनारायण व्यास (D) माणिक्यलाल वर्मा **[A]**

7. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है?
(A) विजय सिंह पथिक—टॉडगढ़ जेल
(B) अर्जुनलाल सेठी—बेलूर जेल
(C) केसरी सिंह बारहठ—हज़ारीबाग जेल
(D) जोरावर सिंह—बरेली जेल **[D]**

8. राजस्थान महिला परिषद की स्थापना, उदयपुर में 1947 में, किसके द्वारा हुई थी?
(A) अरुणा राय (B) इंदुमती गोयनका
(C) दुर्गावती देवी (D) शांता त्रिवेदी **[D]**

9. 'अर्ली चौहान डाइनेस्टीज' के लेखक हैं—
(A) जी.ए. ग्रियर्सन (B) दशरथ शर्मा
(C) जी.एच. ओझा (D) जी.एन. शर्मा **[B]**

10. हटुण्डी (अजमेर) में गाँधी आश्रम की स्थापना ..... के द्वारा की गई।
(A) अर्जुनलाल सेठी (B) हरिभाऊ उपाध्याय
(C) जमनालाल बजाज (D) माणिक्य लाल वर्मा **[B]**

11. शिक्षा संत के रूप में, प्रसिद्ध स्वामी केशवानन्द का जन्म कहाँ हुआ?
(A) बाणासुर गाँव (B) मंगलूना गाँव
(C) हरनावा गाँव (D) रामपुरा बेरी **[B]**

12. निम्नलिखित में से किस षडयंत्र केस में प्रतापसिंह बारहठ को कारावास दिया गया?
(A) अलीपुर षडयंत्र मुकदमा (B) लाहौर षडयंत्र मुकदमा
(C) उदयपुर षडयंत्र मुकदमा (D) बनारस षडयंत्र मुकदमा **[D]**

13. केसरीसिंह बारहठ ने 'चेतावनी रा चुंगटिया' किसको सम्बोधित करके लिखा?
(A) महाराणा प्रतापसिंह (B) महाराणा फतेह सिंह
(C) महाराणा अजीत सिंह (D) मिर्जा राजा जयसिंह **[B]**

14. वनस्थली विद्यापीठ से सम्बन्धित थी—
(A) रतन शास्त्री (B) महिमा देवी
(C) कस्तूरबा गाँधी (D) नारायणी देवी **[A]**

15. स्वतंत्रता सेनानी विजय सिंह पथिक निम्नलिखित में से किस समाचार पत्र के संपादक थे?
(A) हरिजन (B) राजस्थान केसरी
(C) तलवार (D) समाचार दर्पण **[B]**

16. स्वामी दयानंद सरस्वती ने उदयपुर में किस संस्था की स्थापना की?
(A) आर्य समाज (B) इजलास सभा
(C) परोपकारिणी सभा (D) महाइन्द्राज सभा **[C]**

17. महर्षि दयानन्द का स्वर्गवास निम्न में से किस स्थान पर हुआ?
(A) जयपुर (B) अलवर
(C) अजमेर (D) जोधपुर **[C]**

18. कालीबाई राजस्थान के किस आन्दोलन से सम्बन्धित है?
(A) बिजौलिया आन्दोलन (B) बेगू आन्दोलन
(C) रास्तापाल आन्दोलन (D) स्वदेशी आन्दोलन **[C]**

19. 'जीवन कुटीर के गीत' निम्न में से किसके द्वारा लिखा गया?
(A) जयनारायण व्यास (B) हरिभाऊ उपाध्याय
(C) हीरालाल शास्त्री (D) गोकुलभाई भट्ट **[C]**

20. निम्न में से किसने माउण्ट आबू के राजस्थान में विलय में महत्वपूर्ण योगदान किया?
(A) हीरालाल शास्त्री (B) सिद्धराज ढड्ढा
(C) गोकुल भाई भट्ट (D) विश्वमोहन भट्ट **[C]**

21. सागरमल गोपा का सम्बन्ध किस रियासत से है?
(A) बीकानेर (B) उदयपुर
(C) जैसलमेर (D) किशनगढ़ **[C]**

22. मेवाड़ के रक्षक के रूप में निम्न में किसका स्मरण किया जाता है—
(A) झाला बीदा (B) भामाशाह
(C) महासहालीरामा (D) महाराणा प्रताप **[A]**

23. किसके नेतृत्व में, शेखावाटी किसान आंदोलन में 10,000 से अधिक जाट महिलाओं ने भाग लिया?
(A) उत्तमा देवी (B) किशोरी देवी
(C) रामदेवी (D) दुर्गा देवी शर्मा **[B]**

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें

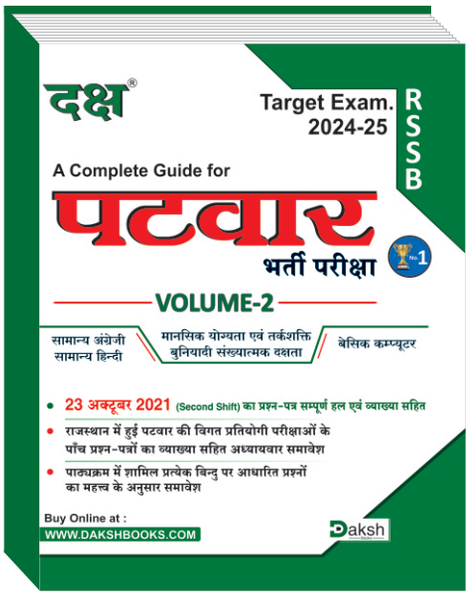

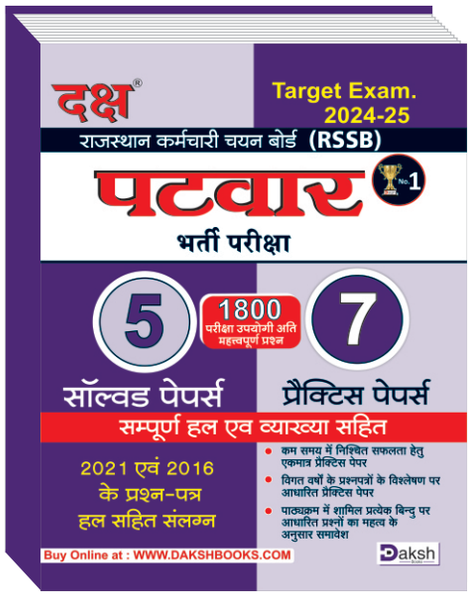

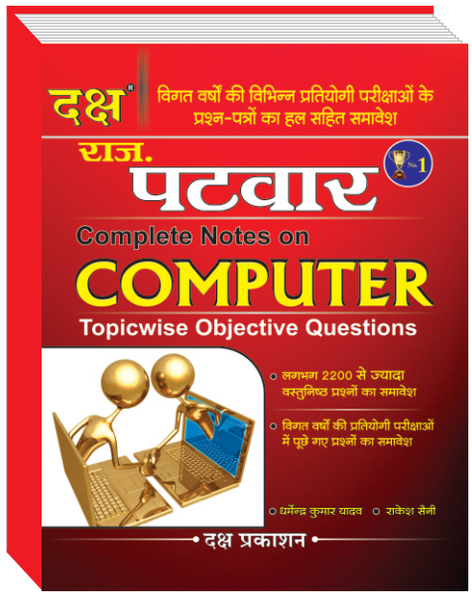

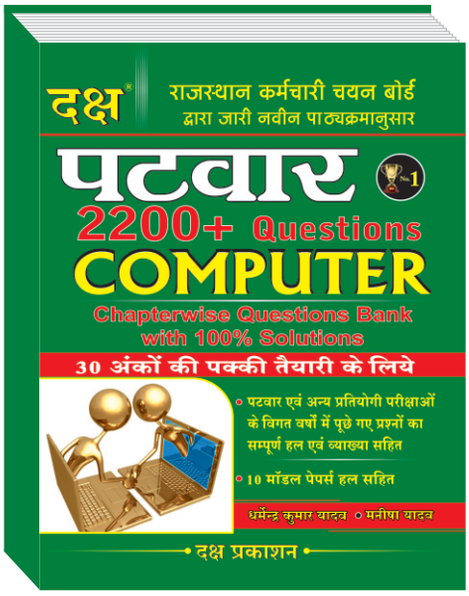

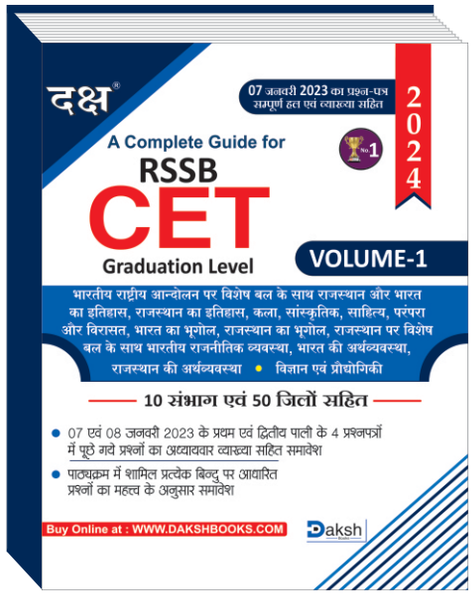

दक्ष प्रकाशन
(A Unit of College Book Centre)
A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)
फोन नं. 0141-2604302
Code No. D-774 | ₹ 680/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु
WWW.DAKSHBOOKS.COM
पर ORDER करें
★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★